संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -329 सोमवार ,30 सितम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

चाणक्य नीति से पाकिस्तान को ठिकाने लगाएगा हिंदुस्तान

» पाकिस्तान को लेकर भारत की चाणक्य नीति...

» संयुक्त राष्ट्र में जयशंकर ने पड़ोसी मुल्क को जमकर सुनाया...

» पाकिस्तान के पीएम शहबाज को सता रहा हमले का डर...

नई दिल्ली,29 सितम्बर 2024 (ए)। जब कोई देश जंग लड़े बिना ही अपनी प्लानिंग या कहिए गुप्त रणनीति से ही विरोधी पर हावी हो जाता है तो उसे कूटनीति यानी डिप्लोमेसी कहते हैं। चाणक्य को भारतीय कूटनीति का मास्टर माना जाता है। उन्होंने कूटनीति के 4 सिद्धांत बताए थे-साम यानी समझा कर, दाम यानी मूल्य या पैसे देकर,दंड यानी शक्ति का इस्तेमाल करके और आखिर में भेद यानी भय दिखाकर। ऐसा लग रहा हिंदुस्तान की सरकार अब पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को घेरने के लिए इसी चाणक्य नीति का सहारा ले रही। ऐसा हम नहीं कह रहे बल्कि हाल के दिनों में सामने आए घटनाक्रम इस बात की तस्दीक कर रहे कि कैसे पाकिस्तान हर मोर्चे पर अलग-थलग पड़ चुका है। पाकिस्तान किसकदर बैकफुट पर नजर आ रहा ये वहां के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ओर से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में दिए गए हालिया संबोधन से समझा जा सकता है। पाकिस्तान के पीएम ने कहा कि भारत लगातार अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। उनको डर है कि इसका इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ किया जा सकता है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र से इस पर ध्यान देने की अपील की।आतंक का पनाहगाह पाकिस्तान जिस तरह से खौफ में नजर आ रहा वो चौंकाने वाला है। कहीं न कहीं भारत इस बात को समझ रहा तभी तो साम वाला दांव आजमाते हुए पड़ोसी मुल्क को उन्हीं की भाषा में समझाने की कोशिश की है।

चाणक्य नीति से कैसे अलग-थलग पड़ा पाकिस्तान

पाकिस्तान को बैकफुट पर धकेलने के लिए भारत की ओर से केवल जुबानी अटैक ही नहीं किए जा रहे, कई कूटनीतिक दांव भी केंद्र सरकार चल रही। जैसे कि पाकिस्तान की धरती पर खेल को लेकर होने वाले कोई भी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारतीय टीम शिरकत नहीं कर रही। पाकिस्तान की धरती पर होने वाले कोई भी बड़े समिट में भारतीय नेता या अधिकारी शामिल नहीं होते। भारत सरकार ने पाकिस्तान के सीधे तौर पर कोई संबंध इसलिए तोड़ रखा है क्योंकि वो लगातार आतंकवाद का सपोर्ट करता रहा है। जब तक पाकिस्तान इससे खुद को अलग पेश नहीं करता स्थिति में कोई बदलाव मुमकिन नहीं है। ऐसे में पाकिस्तान की सरकार को अपने रवैये में बदलाव लाने पर विचार करना जरूरी हो गया है।

राजनाथ बोले-पाकिस्तान दोस्त होता तो भारत आईएमएफसे भी बड़ा पैकेज देता

जहां केंद्र की सत्ताधारी बीजेपी के दो नेताओं ने पाकिस्तान को पीओके छिनने का डर दिखाया, वहीं केंद्रीय रक्षा मंत्री और दिग्गज बीजेपी नेता राजनाथ सिंह ने अलग ही तरीके से पड़ोसी मुल्क को घेरा। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान ने भारत के साथ दोस्ताना संबंध रखा होता तो भारत उसे बड़ा राहत पैकेज देता। राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि मेरे पाकिस्तानी दोस्तों, हमारे बीच तनावपूर्ण संबंध क्यों हैं, हम पड़ोसी हैं। अगर हमारे बीच अच्छे संबंध होते, तो हम आईएमएफ से अधिक पैसे देते। राजनाथ सिंह ने कहा कि पीएम मोदी ने 2014-15 में जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए विशेष पैकेज की घोषणा की थी। ये अब 90,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह पैकेज पाकिस्तान के आईएमएफ से मांगी गई राहत पैकेज से कहीं अधिक है। इस तरह भारत ने पाकिस्तान को दाम यानी फंडिंग वाले दांव से भी घेरने की कोशिश की है।

दोस्त तुर्की ने भी पाकिस्तान को दिया झटका

इस तरह हिंदुस्तान लगातार चाणक्य नीति के जरिए पाकिस्तान को न केवल अलग-थलग करने की राह पर जुटा है। इसी बीच पड़ोसी मुल्क को एक और बड़ा झटका उस समय लगा जब उसके मित्र राष्ट्र ने ही संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान का साथ छोड़ दिया। पाकिस्तान से दोस्ती और भारत विरोधी रुख के लिए चर्चित तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगान ने पाकिस्तान को बड़ा झटका दिया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में दिए अपने वार्षिक भाषण में उन्होंने गाजा युद्ध को लेकर जमकर हमला बोला लेकिन कश्मीर का जिक्र तक नहीं किया। साल 2019 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है जब एर्दोगान ने संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर के मुद्दे से किनारा किया है। इससे पहले खलीफा एर्दोगान ने साल 2023, साल 2022, साल 2021 और साल 2020 में कश्मीर का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र में उठाया था। तुर्की के इस बदले रुख से पाकिस्तान परेशान जरूर हुआ होगा।

जयशंकर ने यूएनजीए में पाकिस्तान को सुनाया

पाकिस्तान के पीएम विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूएनजीए में ही जवाब दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ अब उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को खाली कराने का मुद्दा सुलझाना है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सीमा पार आतंकवाद की नीति कभी सफल नहीं होगी। उसके किए गए कर्मों का उसे निश्चित परिणाम मिलेंगे। पाकिस्तान की बुराइयां अब उसके अपने समाज को निगल रही हैं। पाकिस्तान की सीमा-पार आतंकवाद की नीति कभी सफल नहीं होगी और उसे किसी भी प्रकार की माफी नहीं दी जा सकती।

सीएम योगी बोले-जल्द 3 हिस्से में बंट जाएगा पाकिस्तान

इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी पाकिस्तान को जोरदार जवाब दिया। जम्मू-कश्मीर की चुनावी रैली के दौरान शनिवार को योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पाकिस्तान जल्द ही तीन हिस्सों में बंट जाएगा और उसका अस्तित्व खत्म हो जाएगा।

देश की संक्षिप्त खबरें

मोदी सरकार का किसानों को तोहफा

» गैर-बासमती चावल को लेकर लिया ये बड़ा फैसला

नई दिल्ली,29 सितम्बर 2024(ए)। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज एक महत्वपूर्ण निर्णय की जानकारी दी है, जिसमें गैर-बासमती चावल के निर्यात को खोलने और न्यूनतम निर्यात मूल्य के निर्धारण को मंजूरी दी गई है।गैर-बासमती सफेद चावल पर 490 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य तय किया गया है, जबकि परबॉइल्ड और ब्राउन चावल पर शुल्क 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। यह निर्णय चावल उत्पादक किसानों के आर्थिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में बड़ा कदम है, जिससे किसान अब न्यूनतम निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर अपनी उपज का निर्यात कर सकेंगे।

लॉरेंस बिश्नोई के जेल से टीवी इंटरव्यू को लेकर पंजाब पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

जयपुर,29 सितम्बर 2024(ए)। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के जेल से इंटरव्यू देने के मामले में नया खुलासा हुआ है। पंजाब एसआईटी की जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि बिश्नोई ने जयपुर सेंट्रल जेल में रहते हुए एक टीवी चैनल को इंटरव्यू दिया था। पहले, तत्कालीन जयपुर पुलिस आयुक्त आनंद श्रीवास्तव ने इस बात का इनकार किया था,लेकिन अब पंजाब पुलिस ने जयपुर पुलिस को आवश्यक दस्तावेज सौंपे हैं। इसके बाद लालकोठी थाने में मामला दर्ज किया गया है, जिसकी जांच थानाधिकारी श्रीनिवास जांगिड़ को सौंपी गई है। हाल ही में, लॉरेंस बिश्नोई का नाम दिल्ली में फायरिंग मामले में भी सामने आया है। वह विभिन्न राज्यों में रंगदारी मांगने के मामलों में संलिप्त है, और राजस्थान में भी उसके खिलाफ कई केस दर्ज हैं। उसके गुर्गे, रोहित गोदारा, रंगदारी मांगने के लिए फोन करते हैं। पंजाब पुलिस और राजस्थान पुलिस की संयुक्त कार्रवाई इस मामले में आगे बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

9 धार्मिक स्ट्रक्चर पर चले बुलडोजर

» 150 लोग हिरासत में...

» सोमनाथ मंदिर के पास सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा...

अहमदाबाद,29 सितम्बर 2024 (ए)। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में शनिवार को प्रशासन ने अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया, जिसमें नौ अवैध धार्मिक ढांचों को ध्वस्त किया गया। अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई सोमनाथ मंदिर और सर्किट हाउस के पीछे अनधिकृत निर्माणों को हटाने के लिए की गई थी। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में यह अभियान संचालित किया गया।
गिर सोमनाथ के पुलिस अधीक्षक (स्क) मनोहर सिंह जडेजा ने बताया कि दो दिन तक चलने वाले इस अभियान में लगभग 150 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर और सर्किट हाउस के पीछे असामाजिक तत्वों द्वारा कई अतिक्रमण किए गए थे। स्थानीय प्रशासन के सहयोग से ध्वस्तीकरण अभियान शुरू किया गया है, जिसमें 1,400 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।कलेक्टर दिग्विजय सिंह जडेजा ने बताया कि इस अभियान के दौरान कुल नौ अवैध धार्मिक ढांचों को ध्वस्त किया गया। उन्होंने बताया कि नोटिस जारी करने के बावजूद कब्जाधारक अतिक्रमण हटाने को तैयार नहीं थे, जिससे प्रशासन के पास ध्वस्तीकरण अभियान चलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। उन्होंने बताया कि ध्वस्तीकरण के तहत नौ धार्मिक ढांचों और 45 कमरों का उपयोग मुसाफिरखाने के रूप में किया जा रहा था। इस प्रक्रिया में अनुमानित 320 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन को नियमानुसार खाली कराया गया है। अभियान सुबह शुरू हुआ और अब तक 102 एकड़ जमीन खाली कराई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि हम दो दिनों के भीतर यह अभियान पूरा कर लेंगे।प्रशासन ने इस कार्य में 52 ट्रैक्टरों, 58 बुलडोजरों, दो हाइड्रा क्रेनों, पांच ट्रकों, दो एंबुलेंस और तीन दमकल गाड़ियों को शामिल किया। वरिष्ठ पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ 788 पुलिसकर्मियों और राज्य रिजर्व पुलिस बल (एसआरपीएफ) के जवानों को तैनात किया गया था। इलाके में कानून-व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में है और कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है।

एमके स्टालिन ने बेटे उदयनिधि स्टालिन को बनाया डिप्टी सीएम

» सनातन पर टिप्पणी कर आए थे सुर्खियों में

चेन्नई,29 सितम्बर 2024 (ए)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल किए हैं। सनातन पर विवादित टिप्पणी करने वाले उनके बेटे और राज्य सरकार में मंत्री रहे उदयनिधि स्टालिन ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली।
चौंकाने वाला नाम पुझल सेंट्रल जेल में बंद रहे पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी का है जिन्होंने कैबिनेट में वापसी की है। इनके अलावा डा गोवी चेझियान, आर राजेंद्रन और एसएम नासर भी मंत्रिपरिषद में शामिल किए गए हैं। राजभवन में आज सभी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।
इसके अलावा स्टालिन ने दूध और डेयरी विकास मंत्री टी मानो थंगराज, अल्पसंख्यक कल्याण और गैर-निवासी तमिल कल्याण मंत्री के एस मस्थान और पर्यटन मंत्री के रामचंद्रन को मंत्रिपरिषद से हटाने की भी सिफारिश की है। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री की इस सिफारिश को भी मंजूरी दे दी है।

आयुष्मान भारत में आयुर्वेद को शामिल करने की तैयारी,170 पैकेज होंगे शामिल

नई दिल्ली,29 सितम्बर 2024 (ए)। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना में अब आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी और प्राकृतिक चिकित्सा तथा योग के उपचार पैकेजों को भी शामिल किया जाएगा। इन पैकेजों में सामान्य सर्दी-बुखार से लेकर कैंसर तक का इलाज किया जा सकेगा। दवाएं, उपचार केंद्र, स्वास्थ्य कार्यक्रम और ऑपरेशन प्रक्रियाएं पैकेजों में शामिल होंगी। इस योजना में 170 आयुर्वेदिक पैकेज शामिल होंगे। इन्हें बाद में बढ़ाया जा सकेगा।

जन औषधि केंद्र की तर्ज पर खोले जाएंगे आयुष औषधि केंद्र

आयुष मंत्रालय के मुताबिक नई पहल के तहत देशभर में एलोपैथी दवाओं के लिए शुरू किए 'जन औषधि केंद्रों' की तरह 'आयुष औषधि केंद्र' भी शुरू किए जाएंगे। अक्टूबर में दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में आयुष औषधि केंद्र शुरू हो जाएगा। छोटे-छोटे गांवों में भी आयुष औषधि केंद्र शुरू किए जाएंगे।इसके साथ ही जिला स्तर पर 50, 30 और 10 बेड का अस्पताल भी तैयार करने की योजना है।

पैकेज में यह भी होगा

आयुर्वेदिक पैकेज में लकवा, तीव्र पीठ दर्द, मधुमेह, उच्च रक्तचाप सहित कई बीमारियों को कवर किया जाएगा।
-ये उपचार इनडोर पंचकर्म सेवाओं के भाग के रूप में प्रदान किए जाएंगे। इनमें रहने की व्यवस्था, आहार, जीवनशैली संबंधी मार्गदर्शन और योग भी शामिल होगा।

मेनस्ट्रीम हेल्थकेयर से जोड़ने की पहल

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि आयुष उपचार को मेनस्ट्रीम हेल्थकेयर सिस्टम से जोड़ने के लिए यह पहल की जा रही है। इस योजना की तैयारी अंतिम चरण में है। इसके लिए एक विशेष कमेटी काम कर रही है। बीमा कंपनियों से भी बातचीत चल रही है। शुरुआत में 170 आयुर्वेदिक पैकेजों को आयुष्मान योजना में शामिल किया जाएगा। जैसे-जैसे मांग बढ़ेगी, पैकेज की संख्या में बढ़ोतरी की जाएगी।

भाषण के बीच मल्लिकार्जुन खड़गे की तबीयत बिगड़ी

» कहा...मैं इतनी जल्दी मरनेवाला नहीं हूं....

जम्मू-कश्मीर,29 सितम्बर 2024(ए)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की तबीयत कठुआ के जसरोटा में चुनावी जनसभा के दौरान अचानक बिगड़ गई। यह घटना चुनाव प्रचार के आखिरी दिन की है, जब खरगे मंच पर जनता को संबोधित कर रहे थे। भाषण देते समय खरगे को अचानक चक्कर आए और वह बेहोश होने लगे। मंच पर उपस्थित सुरक्षाकर्मियों और कांग्रेस

नेताओं ने समय रहते उन्हें संभाल लिया। उन्हें तुरंत पानी पिलाया गया और कुछ समय के लिए भाषण रोक दिया गया।

खरगे की हिम्मत, भाषण किया जारी

हालांकि,थोड़ी देर आराम करने के बाद मल्लिकार्जुन खरगे ने फिर से माइक संभाला और भाषण जारी रखा। उन्होंने अपने समर्थकों को आश्वस्त करते हुए कहा, मैं 83 साल का हूं, इतनी जल्दी नहीं मरने वाला। जब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता से बाहर नहीं हो जाते, मैं जिंदा रहूंगा।÷ उनकी इस टिप्पणी पर वहां मौजूद जनता ने तालियों से उनका समर्थन किया।

हिजबुल्लाह चीफ की मौत पर तनाव

भड़काऊ पोस्ट शेयर करने वाले पर पुलिस करेगी सख्त कार्रवाई

जम्मू-कश्मीर,29 सितम्बर 2024(ए)। जम्मू-कश्मीर में हिज्बुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत के बाद भड़के विरोध प्रदर्शनों के बीच साइबर स्पेस में भी तनाव बढ़ रहा है। कश्मीर पुलिस ने सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले पोस्ट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी जारी की है।
पुलिस ने एक एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया का इस्तेमाल सांप्रदायिक तनाव फैलाने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे ऐसी किसी भी भड़काऊ पोस्ट को न शेयर करें और न ही उस पर प्रतिक्रिया दें।पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जो भी व्यक्ति सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने के उद्देश्य से भड़काऊ पोस्ट करेगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे लोगों के खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।
हिज्बुल्लाह चीफ की मौत की खबर के बाद श्रीनगर और बडगाम में शिया बहुल इलाकों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरकर विवादित नारे लगा रहे हैं। इसी बीच, कुछ लोग सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर प्रदर्शन को और बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं।

संपादकीय

मस्क को कानून के घेरे में लेने में अक्षम

दुनिया के सबसे धनी लोगों के हितों के पक्ष में मस्क विवेक एवं सर्व-स्वीकृत मर्यादाओं पर हमले करने लगें और एक्स से जरिए उनका प्रचार करने लगें, तो मानव सभ्यता के लिए पैदा होने वाले खतरों का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।इलॉन मस्क के पोस्ट आपकी टाइमलाइन पर आएं, इसके लिए जरूरी नहीं है कि सोशल मीडिया साइट एक्स (पहले ट्विटर) पर आप उन्हें फॉलो करें। यह विशेषाधिकार उन्होंने एक्स का मालिक होने के नाते हासिल कर रखा है। उनका दावा है कि उनके पोस्ट दुनिया भर में 20 करोड़ यूजर्स तक पहुंचते हैं। संवाद करने की अपनी इस शक्ति का लाभ उठाकर वे मनमानी बातें लोगों तक पहुंचाते हैं।मस्क दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति हैं। अरबपति लोगों के क्लब में उनका उठना-बैठना है। दुनिया भर में ऐसे समूह लगातार अधिक-से-अधिक धुर-दक्षिणपंथी होते गए है। मस्क इसकी सबसे उम्दा मिसाल हैं। यहां तक बात ठीक है। लेकिन दुनिया के एक फीसदी सबसे धनी लोगों के हितों के पक्ष में वे तर्क-वितर्क एवं सर्व-स्वीकृत मर्यादाओं को तोड़ने लगें और एक्स से जरिए उनका प्रचार करने लगें, तो उस स्थिति में समाज और मानव सभ्यता के लिए पैदा होने वाले खतरों का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।अमेरिका में हो रहे राष्ट्रपति चुनाव में लाजिमी है, मस्क डॉनल्ड ट्रंप का समर्थन कर रहे हैं। लेकिन क्रम में वे ट्रंप की प्रतिद्वंद्वी उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस की हत्या के लिए लोगों को भड़काने लगें, तो यह सीधे कानून तोड़ने का मामला बन जाता है। रविवार को ट्रंप की हत्या की दोबारा कोशिश हुई। उस पर एक व्यक्ति ने ट्विट किया- वे ट्रंप को मारना क्यों चाहते हैं? ' इस पोस्ट को टैग कर मस्क ने री-ट्विट किया- बाइडेन/हैरिस की हत्या की तो कोई भी कोशिश नहीं कर रहा?' इस पर विवाद होना तय था।ह्वाइट हाउस ने इस पर असामान्य रूप से कड़ी प्रतिक्रिया जताई। तब मस्क ने वो ट्विट हटा दिया। लेकिन ये अमेरिका की बात है, जहां वे रहते हैं और जहां का कानून उन्हें घेरे में ले सकता है। कुछ समय पहले में मस्क ने वेनेजुएला और ब्राजील की सरकारों के खिलाफ ऐसा ही जहरीला अभियान छेड़ा था। ब्राजील में तब एक्स को प्रतिबंधित किया गया। इस कदम के विरोधी लोगों से सवाल है- जो देश मस्क को अपने कानून के घेरे में लेने में अक्षम हैं, उनके पास आखिर और क्या रास्ता है?

जलवायु परिवर्तन:दोस्ती चाहती हैं आक्रामक प्रजातियाँ

घटती-घटना
डॉ. सत्यवान सौरभ
हरियाणा

आक्रामक प्रजातियों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से किए गए कई प्रयास अप्रभावी और अत्यधिक समय की मांग करने वाले साबित हुए हैं। ये प्रजातियाँ अक्सर अपने पारिस्थितिकी तंत्र में गहराई से समा जाती हैं, जिससे उनका उन्मूलन मुश्किल हो जाता है। उदाहरण के लिए, आक्रामक पौधों की प्रजातियों को खत्म करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले शाकनाशी अनजाने में देशी वनस्पतियों को नुकसान पहुँचा सकते हैं,जिससे तितलियों जैसी लाभकारी प्रजातियों में गिरावट आ सकती है...

आक्रामक प्रजातियों को अक्सर पारिस्थितिक तंत्र के हानिकारक विघटनकारी के रूप में देखा जाता है। हालाँकि, जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में, कुछ आक्रामक प्रजातियाँ पर्यावरणीय लाभ प्रदान कर सकती हैं। हालाँकि वे मूल जैव विविधता के लिए जोखिम उत्पन्न करते हैं, लेकिन नई परिस्थितियों में जल्दी से अनुकूलन करने की उनकी क्षमता कभी-कभी पारिस्थितिक तंत्र को स्थिर करने या कार्बन पृथक्करण को बढ़ाने में मदद कर सकती है। विश्व प्राणी समुदाय में, आक्रामक प्रजातियों को अक्सर संदेह की दृष्टि से देखा जाता है, जिससे देशी पारिस्थितिकी तंत्र पर उनके प्रभाव के बारे में व्यापक स्तर पर गलत धारणा बन जाती है। इस श्रेणी में, गैर-देशी खरपतवार से लेकर कीड़ों और जलीय आक्रमणकारियों तक, की गई प्रजातियों को गलत समझा जाता है और अक्सर उनका गलत प्रबंधन किया जाता है। यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि जानबूझकर या अनजाने में पेश की गई अधिकांश प्रजातियाँ देशी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए खतरा पैदा नहीं करती हैं।

आक्रामक प्रजातियाँ वे पौधे, कीड़े और जलीय जीव हैं जो अपने वर्तमान आवासों के मूल निवासी नहीं हैं। वे अक्सर नए पारिस्थितिकी तंत्रों में फैल जाते हैं, जिससे स्थानीय जैव विविधता बाधित होती है। इन प्रजातियों को गैर-देशी या पेश की गई प्रजातियाँ भी कहा जाता है। आक्रामक प्रजातियों के बारे में बहुत सी गलत धारणाएँ हैं। एक आम ग़लतफ़हमी है कि सभी आक्रामक प्रजातियाँ नए पारिस्थितिकी तंत्र में आने पर हानिकारक हो जाती हैं। जबकि कुछ महत्वपूर्ण ख़तरे पैदा कर सकती हैं, यह सार्वभौमिक रूप से सत्य नहीं है। कई पेश की गई प्रजातियाँ अपने नए वातावरण पर नकारात्मक प्रभाव नहीं डालती हैं और वास्तव में, लाभकारी भूमिका निभा सकती हैं।

आक्रामक प्रजातियों को दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है। पहली आकस्मिक आगमन प्रजातियाँ अक्सर अचानक व अनजान तरीके

से आती हैं, जैसे कि ज़ेबरा मसल, जिसे ब्लैक सी से दूसरे क्षेत्रों में जहाजों में बैलस्ट पानी के माध्यम से पहुंचाया गया था, जहाँ यह तब से स्थानीय बुनियादी ढाँचे के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा बन गया है। दूसरी आक्रामक प्रजातियाँ जानबूझकर पेश की जाती हैं, जैसा कि लैंटाना के मामले में देखा गया है, जिसे ब्रिटिश उपनिवेशवादियों द्वारा दक्षिण अमेरिका से भारत लाया गया था। लैंटाना का तेजी से प्रसार हुआ है, जो जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क आदि जैसे कई राष्ट्रीय उद्यानों में देशी वनस्पतियों को मात देकर और कृषि फसलों को नुकसान पहुँचाकर एक खतरा बन गया है, जिससे स्थानीय जैव विविधता को खतरा है। जलवायु परिवर्तन की घटनाओं में वृद्धि के साथ ही, आक्रामक प्रजातियों के साथ हमारे संबंध भी विकसित हो रहे हैं। जलवायु परिवर्तन को रोकने में आक्रामक प्रजातियों के लाभ देखें तो कार्बन पृथक्करण में इनकी भूमिका है।

कुछ आक्रामक पौधों की प्रजातियों में महत्वपूर्ण मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने की क्षमता होती है, जिससे जलवायु परिवर्तन को कम करने में सहायता मिलती है। उदाहरण के लिए- प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा भारत में एक आक्रामक प्रजाति, कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करती है, जो निम्नीकृत भूमि में कार्बन भंडारण में योगदान करती है। स्पार्टिना अल्टरनिफ्लोरा जैसी आक्रामक प्रजातियाँ तटीय मिट्टी को स्थिर कर सकती हैं, कटाव को रोक सकती हैं एवं समुद्र के बढ़ते स्तर के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा कर सकती हैं। कुछ आक्रामक प्रजातियाँ, जैसे साइबेरियाई एल्म, अधिक सूखा-प्रतिरोधी हैं एवं जहाँ देशी प्रजातियाँ विफल हो जाती हैं, वहाँ वनस्पति आवरण प्रदान करती हैं, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखा जाता है। जलवायु परिवर्तन के कारण देशी पौधों की कमी होने पर आक्रामक पौधों की प्रजातियाँ परागणकों के लिए खाद्य संसाधन प्रदान कर सकती हैं।

उदाहरण के लिए: पूर्वी अमेरिका में लोनीसेरा जैपोनिका (जापानी हनीसकल) कुछ मौसमों के दौरान मधुमक्खियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत बन गया है। उन क्षेत्रों में जहाँ मूल जैव विविधता पहले ही नष्ट हो चुकी है, आक्रामक प्रजातियाँ पारिस्थितिक अंतराल को भर सकती हैं।

उदाहरण के लिए: दक्षिण अफ्रीका में आक्रामक नीलगिरी के पेड़ ने स्थानीय प्रजातियों के लिए आवास की मुहैया करते हुए, वनों की कटाई वाले क्षेत्रों को पुनर्जीवित करने में मदद की है।

राष्ट्रीय हरित भारत मिशन बंजर क्षेत्रों में पुनर्वनीकरण पहल का समर्थन करता है। समय पर हस्तक्षेप सुनिश्चित करते हुए आक्रामक प्रजातियों के प्रसार एवं प्रभाव को ट्रैक करने के लिए निरंतर निगरानी प्रणाली स्थापित करना। उदाहरण के लिए- भारत की आक्रामक विदेशी प्रजातियों पर राष्ट्रीय कार्य योजना विभिन्न राज्यों में फॉल आर्मीवर्म जैसी प्रजातियों की आवाजाही पर नजर रखती है। सार्वजनिक जागरूकता से संभावित प्रभावों के बारे में शिक्षित करते हुए आक्रामक प्रजातियों की निगरानी एवं नियंत्रण में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना।

उदाहरण के लिए: केरल में पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्रों में जलकुंभी, एक आक्रामक जलीय पौधा, को हटाने में स्थानीय लोगों को शामिल किया जाता है। विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन से प्रभावित क्षेत्रों में आक्रामक प्रजातियों के प्रबंधन के लिए जानकारी एवं रणनीतियों को साझा करने के लिए सीमा पार सहयोग को मजबूत करना। उदाहरण के लिए- जैविक विविधता पर कन्वेंशन में भारत की भागीदारी आक्रामक प्रजातियों के प्रबंधन पर जोर देती है। जबकि आक्रामक प्रजातियाँ महत्वपूर्ण चुनौतियाँ पेश करती हैं, कुछ जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में लाभ प्रदान कर सकती हैं, जैसे पारिस्थितिक तंत्र को स्थिर करना एवं कार्बन पृथक्करण को बढ़ाना।

एक संतुलित दृष्टिकोण जो सकारात्मक तथा नकारात्मक दोनों प्रभावों पर विचार करता है, पारिस्थितिक लचीलापन एवं जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देते हुए आक्रामक प्रजातियों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए आवश्यक है। आक्रामक प्रजातियों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से किए गए कई प्रयास अप्रभावी और अत्यधिक समय की मांग करने वाले साबित हुए हैं। ये प्रजातियाँ अक्सर अपने पारिस्थितिकी तंत्र में गहराई से समा जाती हैं, जिससे उनका उन्मूलन मुश्किल हो जाता है। उदाहरण के लिए, आक्रामक पौधों की प्रजातियों को खत्म करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले शाकनाशी अनजाने में देशी वनस्पतियों को नुकसान पहुँचा सकते हैं, जिससे तितलियों जैसी लाभकारी प्रजातियों में गिरावट आ सकती है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

मुख्य अतिथि लघुकथा

व्यग्र पाण्डे
गंगापुर सिटी
राजस्थान

गली के नुक्कड़ पर एक चाय की थड़ी पर पिछले तीन-चार महीनों से रोज सुबह आकर बैठ जाता वो बूढ़ा व्यक्ति जिनका नाम राम प्रसाद था जिसके लिए ये शहर अंजान सा था । चाय की थड़ी के सामने एक सरकारी स्कूल भी था । बच्चों संग शिक्षकों के पढ़ने-पढ़ाने की आवाज सदैव आती रहती । स्कूल की छुट्टी के बाद वो वृद्ध सज्जन वहाँ से चले जाते । शहर के जीवन में किसके पास फुर्सत ये जानने कि ये कौन है ? यहां रोज आकर क्यूँ बैठता है ? अगर किसी के मन में जानने का खयाल भी आया होगा तो अभिभावक समझ कर रह गया होगा मन ही मन विचार ।

चाय वाले को भी क्या, उसकी तो रोज तीन चार चाय का ग्राहक तो था ही वो ।

एक दिन स्कूल में कोई कार्यक्रम था विद्यालय सजाया गया था । विद्यालय-स्टाफ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि (जिला कलेक्टर) के इंतजार में गेट पर खड़ा था । तब ही एक गाड़ी आकर रुकी, उसमें से एक संभ्रांत महाशय उतरे, सभी ने उनका अभिवादन किया। अचानक आगंतुक कलेक्टर साहब की नजर चाय की दुकान पर बैठे उस सज्जन पर पड़ी, वो तुरंत भीड़ से निकल कर वहाँ पहुंचे और उनके चर्णस्पर्श किये । गुरुजी, आप यहां ! आजकल नौकरी कहां चल रही है ? और आप कैसे हो ? मैं ठीक हूँ और मुझे सेवानिवृत्त हुए दो वर्ष हो गये हैं आजकल मैं और मेरा परिवार इस शहर में ही रहता है । मैंने यहां एक छोटा सा मकान खरीद लिया है बच्चों का अपना छोटा मोटा व्यवसाय भी यहीं था इसलिए शहर में आना पड़ा । स्कूल स्टाफ कार्यक्रम की देरी से अंदर ही अंदर परेशान थे पर कुछ भी कह नहीं पा रहे थे । तब ही कलेक्टर महोदय ने प्रिंसिपल साहब को बुलाया और कहा- आज कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेरे स्थान पर मेरे गुरुजी रहेंगे और मैं दर्शक दीर्घा में बैठूंगा, मेरी कुर्सी सामने लगा दी जाये । बहुत मना करने पर भी कलेक्टर महोदय नहीं माने और गुरुजी को स्कूल कार्यक्रम में सहभागिता निभानी पड़ी । कलेक्टर महोदय ने अपने उद्बोधन में शिक्षक के महत्व को बताया साथ ही अपने गुरुजी के बच्चों व स्कूल के प्रति लगाव को बताते हुए कहा कि आप शायद इसलिए ही रोज विद्यालय के सामने आकर बैठते होंगे मैं समझ सकता हूँ । कलेक्टर शिष्य की बाते सुनकर रिटायर्ड शिक्षक राम प्रसाद जी मुस्करा रहे थे । अगले दिन अखबारों में गुरु-शिष्य के संबंधों के समाचार पूरे शहर में चर्चा के विषय बने रहें ।

दस सालों में हुए ज़ुल्म से खफा है,दुखी हैं

जैसा अनुमान था वहीं हुआ। हमेशा की तरह श्रीनगर में कम मतदान हुआ। जबकि उन सीटों पर रिकार्ड मतदान हुआ जो भाजपा बनाम एनसी-कांग्रेस एलांयस की जीत-हार में निर्णायक है। ये पीर पंजाल के राजौरी और पूंछ जिले की आठ सीटे है। अभी तक के आंकड़ों के अनुसार इन दोनों जिलों में क्रमश- 70 और 74 प्रतिशत वोटिंग हुई है। भाजपा ने इन सीटों पर मुस्लिम पहाड़ी, बकरवाल, और गुर्जरों को महत्व, उन्हे एसटी आरक्षण दे कर रिझाया है। मगर जिस उत्साह से इन सीटों पर मतदान हुआ है वह चौंकाने वाला है। इन दो जिलों की विधानसभा सीटों में राजौरी (70 प्रतिशत मतदान) मेंधर (70 प्रतिशत), सुरनकोट (72 प्रतिशत), बुदल (70 प्रतिशत), पूंछ हवेली 70 प्रतिशत), थानामंडी (68 प्रतिशत) में जोरदार वोटिंग हुई है। साथ ही नौशेरा (69त्न मतदान) और कालाकोट (66त्न मतदान) जहां हिंदू वोट कुछ ज्यादा है वहां भी आज के मतदान से कांटे की लड़ाई के संकेत है। सुरनकोट सीट पर ही राहुल गांधी और फारूक अब्दुल्ला की रैली में भीड़ उमड़ी थी उसका असर आज के मतदान से झलका है।मगर राजधानी श्रीनगर (29.24 प्रतिशत मतदान) में कम मतदान और बडगाम में (61.31 प्रतिशत मतदान) तथा गंदेरबल में (62.63 प्रतिशत मतदान) अच्छे मतदान का सीधा अर्थ है कि एनसी-कांग्रेस विरोधी निर्दलीयों, पीडीपी के लिए मुकाबला निश्चित मुश्किल भरा है। वे उम्मीदवार अपने समर्थकों को घर से कम ही बाहर निकाल पाएं, जो नेशनल कांफ्रेस से मुकाबला करते हुए थे। वे मतदाता वोट ज्यादा करते मिले जिनमें न जाने क्यों यह जिद्द थी कि वोट देने के बाद मतदान केंद्र से बाहर निकलने तक ऊंगली से स्याही पोंछे ले।मैंने श्रीनगर और गान्दरबल में बार-बार अनुभव किया कि पोलिंग बूथ से निकलते ही

वोटरों ने अपनी ऊंगली को पोछा, रगड़ा और घिसा ताकि उस पर वोट डालने का कोई निशान बाकी न रहे। और इनमें सभी शामिल थे,-महिलाएं और पुरुष, युवा और बुजुर्ग, रईस और फ़कीर।गान्दरबल के एक पोलिंग बूथ पर, 70 या शायद 80 बरस के एक बुजुर्ग ने मुझे गुस्से से कहा -हमको घुटन हो रही है दस साल से।दूसरी टिप्पणी जरीफ़ अहमद जरीफ़ की थी-ज़ुल्म के खिलाफ है ये वोट। और पाकिस्तान को बताने के लिए कि हम ज़िन्दा हैं। जरीफ़ अहमद जरीफ़ कश्मीर के बुद्धिजीवी, शायर और सामाजिक कार्यकर्ता बताये जाते हैं। वे छोटे कद के दुबले-पतले बुजुर्ग हैं। उनकी उम्र 81 साल की है और वे उतनी ही उम्र के लगते भी हैं। मगर उनकी आवाज़ में जो जज़्बा, जोश और गुस्सा था, उसे अनदेखा करना संभव नहीं था। ये दोनों बुजुर्ग वोट देने इसलिए निकले थे क्योंकि उनके दिल में गुस्सा था। वे बदला लेना चाहते थे। और यह करीब-करीब तय है कि उन्होंने ईवीएम का वह बटन दबाया होगा, जो उनके हिसाब से ज़ुल्म के खिलाफ था। मगर दोनों को ही स्याही लगी अपनी ऊंगली के साथ अपनी फोटो खिचवाना मंजूर न था। जरीफ़ अहमद जरीफ़ ने वोट देने के बाद बाहर निकलते ही अपनी ऊंगली से स्याही पोंछ दी। उन्होंने अपनी जेब से रुमाल निकाला और स्याही के अपना निशान छोड़ने से पहले ही उसे मिटा दिया। यहाँ तक कि वे मतदान केंद्र के बाहर खड़े होकर भी अपना फोटो खिचवाने के लिए तैयार नहीं हुए।और इस मामले में जरीफ़ अकेले नहीं थे।मैंने जरीफ़ अहमद को अपना गुस्सा जाहिर करते देखा। वे हिंदी का इस्तेमाल केवल हरि पर्वत पर तिरंगा फहराने के लिए शासन को खरीखोटी सुनाने के लिए कर रहे थे। मैंने उनमें वह कश्मीरी मानसिकता देखी जो कभी बदलेगी नहीं, चाहे दौर कोई भी हो और परिस्थितियां चाहे कितनी ही बदल जाएँ, और जो मानसिकता हर नयी पीढ़ी को पिछली पीढ़ी से विरासत में मिलेगी। मैं जिस कश्मीरी मानसिकता की बात कर रही हूँ वह उन लोगों की है जो शेख अब्दुल्ला के ज़माने के हैं, जो प्रजातंत्र के सारे लाभ और हक हासिल करना चाहते हैं मगर जिन्हें नहीं मालूम कि वे असल में कहाँ के हैं? वे जो पिछले दस साल में हुए ज़ुल्मात के खिलाफ वोट देना चाहते हैं मगर पिछले तीस या उससे ज्यादा सैलून के ज़ुल्मात से आँखें फेर लेना चाहते है। जो प्रजातान्त्रिक दिखना चाहते हैं, मगर चुपके-चुपके। जो बदलाव चाहते हैं मगर जिन्हें पता नहीं है कि वह बदलाव कैसा होना चाहिए।बहरहाल, आज के मतदान में वह जोश, उमंग और माहौल नहीं था जो दक्षिण कश्मीर में 18 सितम्बर को मतदान के पहले दौर में था। वह आज, मध्य कश्मीर में हुए दूसरे दौर के मतदान में गायब था। सुबह नौ बजे तक श्रीनगर में केवल 4.70 प्रतिशत वोट डाले गए थे और गान्दरबल, जहाँ पिछले चुनाव में मतदान प्रतिशात 67.7 प्रतिशत, में तब तक केवल 12.61 फीसद वोटरों ने बटन दबाया था। दिन चढने के साथ तपिश बढने लगी और मतदान केंद्र सूने होने लगे। गान्दरबल के गांवों की सड़कों और गलियों में वह हलचल नहीं थी जो कुलगाम में 18 सितम्बर को थी। उस दिन पत्रकार बन्धु, एक जिले से दूसरे जिले भाग रहे थे। मगर इस बार, उन्होंने आराम से दोपहर का भोजन किया और बोर हो कर कवरेज खत्म कर दी। उन पर भी मतदाताओं की उदासीनता का असर था।कुल मिलाकर, मध्य कश्मीर में दूसरे दौर के मतदान पर उदासीनता हावी थी। गान्दरबल में सुबह-सुबह कुछ उत्साह दिखा था मगर उसके बाद, वहां मुझे प्राकृतिक सुन्दरता तो दिखी मगर उत्साही मतदाता नहीं। मतदान केन्द्रों के बाहर लम्बी कतारें नहीं थीं। हाँ, कुछ लोग थे जो मतदान केन्द्रों के अन्दर जा रहे और बाहर निकल रहे मतदाताओं पर नज़र रख रहे थे। हो सकता है कि वे केवल तमाशबीन हों। मगर मुझे तो यही लगा है कि बड़े ध्यान से वोट देने वालों को देख रहे थे। उन्हें दूसरों से बातचीत करने में कोई रूचि नहीं थी। वे चुनाव या उम्मीदवारों के बारे में कुछ भी कहने के लिए तैयार नहीं थे। मगर वे पैनी निगाहों से सब कुछ देख रहे थे। क्या उनके मन में ज़ुल्म' और घुटन' से जुड़ी बातें थीं?पहले दौर में जहाँ बदलाव की चाहत सर्वोपरि थी, वहीं दूसरे दौर में भावनाओं का ज्वार था ङ्क ऐसा ज्वार जो लोगों के दिलों से बाहर निकल कर फूट पड़ने पर आमादा था। वे मोदी और शाह के खिलाफ वोट देना चाहते थे मगर वे इतने डरे हुए भी थे की अपनी ऊंगली पर लगा स्याही का निशान मिटा रहे थे। पर फिर यह भी सवाल है कि कश्मीर में दूसरे दौर के मतदान में शहरी श्रीनगर और गान्दरबल और बडगाम में लोग उस तरह से वोट देने बाहर तो नहीं निकले जिससे लगे की वे पिछले दस सालों में हुए ज़ुल्म से खफ़ा है, दुखी हैं।

-श्रुति व्यास-

भोले की धारा में

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम,
गांधीनगर, इन्दौर

हे भोले मैं तेरे दर्शन,
को खड़ा बड़ी देर से,
खटखटाता द्वार तेरे,
आ गया मैं भोर से।
हे भोले मैं ...
मन बने मेरा पावन दर्पण,
छवि दिखे बस आपकी,
पल मिले जितने भी मुझको,
बस करुं तेरी आरती।
हे भोले मैं ....
द्वार तेरे जो भी आया,
बस खुशी से भर उठा,
आंखों में भोले बसाकर,
भोले-भोले कह उठा।
हे भोले मैं ....
भोले जब-जब खोला करते,
अपने चक्षु ध्यान से,
होंठ भक्ति की शरण में,
स्वर गुंजित भोले गान से।
हे भोले मैं ....
आओ भोले की धारा में,
तन-मन सारा पावन कर लें,
जगर-मगर हो जाए जीवन,
ऐसा हम गठबंधन कर लें।
हे भोले मैं ...

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कठमुल्लों की तानाशाही से अमनपसंद आवाम परेशान

तालिबान द्वारा यह नया प्रतिबंध महिलाओं को सार्वजनिक रूप से गाने, कविता पढ़ने या ज़ोर से पढ़ने से भी रोकता है क्योंकि उनकी आवाज़ को शरीर का अंतरंग' हिस्सा माना जाता है। अगस्त के अंत में लागू किया जाने वाला यह तालिबानी आदेश स्वतंत्रता पर कई प्रहारों में से एक है। महिलाओं को अब प्रलोभन' से बचने के लिए अपने पूरे शरीर को हर समय ऐसे कपड़ों से ढकना चाहिए जो पतले, छोटे या तंग न हों, जिसमें उनके चेहरे को ढकना भी शामिल है। पिछले कुछ वर्षों से यूरोप की स्थानीय आबादी और बाहर से वहाँ आकर बसे मुसलमानों के बीच नस्लीय संघर्ष तेज हो गए हैं। ये संघर्ष अब खूनी और विध्वंसकारी भी होने लगे हैं। कई देश अब मुसलमानों पर सख्त पाबन्दियाँ लगा रहे हैं। उन्हें देश से निकालने की माँग उठ रही है। आतंकवादियों की शरणस्थली बनी उनकी मस्जिदें बुलडोजर से ढहायी जा रही हैं। उनके दाढ़ी रखने और बुर्का पहनने पर पाबन्दियाँ लगाई जा रही हैं।ये इसलिए हो रहा है क्योंकि मुसलमान जहां जाकर बसते हैं वहाँ शरीयत का अपना क़ानून चलाना चाहते हैं। वो भी ज्यों का त्यों नहीं। वे वहाँ स्थानीय संस्कृति व धर्म का विरोध करते हैं। अपनी अलग पहचान बना कर रहते हैं। स्थानीय संस्कृति में घुलते मिलते नहीं है। हालाँकि सब मुसलमान एक जैसे नहीं होते। पर जो अतिवादी होते हैं उनका प्रभाव अधिकतर मुसलमानों पर पड़ता है। जिससे हर मुसलमान के प्रति नफ़रत पैदा होने लगती है।ये बात दूसरी है कि इंग्लैंड, फ्ऱांस, हॉलैंड, पुर्तगाल जैसे जिन देशों में मुसलमानों के ख़िलाफ़ माहौल बना है। ये वो देश हैं जिन्होंने पिछली सदी तक अधिकतर दुनिया को ग़ुलाम बनाकर रखा और उन पर अपनी संस्कृति और धर्म थोपा था। पर आज अपने किए वो घोर पाप उन्हें याद नहीं रहे।पर इसका मतलब ये नहीं कि अब मुसलमान भी वही करें जो उनके पूर्वजों के साथ अंग्रेजों, पुर्तगालियों, फ्ऱांसीसियों, डच ने किया था। क्योंकि आज के संदर्भ में मुसलमानों का आचरण अनेक देशों में वाक़ई चिंता का कारण बन चुका है। उनकी आक्रमकता और पुरातन धर्मांध सोच आधुनिक जीवन के बिलकुल विपरीत है। इसलिए समस्या और भी जटिल होती जा रही है।ऐसा नहीं है कि उनके ऐसे कट्टरपंथी आचरण का विरोध उनके विरुद्ध खड़े देशों में ही हो रहा है। खुद मुस्लिम देशों में भी उनके कठमुल्लों की तानाशाही से अमनपसंद आवाम परेशान है। अफग़ानिस्तान की महिलाओं को लें। उन पर लगीं कठोर पाबंदियों ने इन महिलाओं को मानसिक रूप

से कुंठित कर दिया है। वे लगातार मनोरोगों का शिकार हो रही हैं। जब तालिबान ने पिछले महीने सार्वजनिक रूप से महिलाओं की आवाज़ पर अनिवार्य रूप से प्रतिबंध लगाने वाला एक कानून पेश किया, तो दुनिया हैरान रह गई।लेकिन जो लोग अफगानिस्तान के शासन के अधीन रहते हैं, उन्हें इस घोषणा से कोई आश्चर्य नहीं हुआ। एक अंतरराष्ट्रीय न्यूज़ एजेंसी से बात करते हुए वहाँ रहने वाले एक महिला बताया कि, हर दिन हम एक नए कानून की उम्मीद करते हैं। दुर्भाग्यवश, हर दिन हम महिलाओं के लिए एक नई, पाबंदी की उम्मीद करते हैं। हर दिन हम उम्मीद खो रहे हैं। इस महिला के लिए इस तरह की कार्रवाई अपरिहार्य थी। लेकिन उसके लिए व उसके जैसी अनेक महिलाओं के लिए ऐसे फ़ैसलों के लिए मानसिक रूप से तैयार होने से उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाला हानिकारक प्रभाव कम नहीं हुआ। तालिबान द्वारा यह नया प्रतिबंध महिलाओं को सार्वजनिक रूप से गाने, कविता पढ़ने या ज़ोर से पढ़ने से भी रोकता है क्योंकि उनकी आवाज़ को शरीर का अंतरंग' हिस्सा माना जाता है। अगस्त के अंत में लागू किया जाने वाला यह तालिबानी आदेश स्वतंत्रता पर कई प्रहारों में से एक है।महिलाओं को अब प्रलोभन' से बचने के लिए अपने पूरे शरीर को हर समय ऐसे कपड़ों से ढकना चाहिए जो पतले, छोटे या तंग न हों, जिसमें उनके चेहरे को ढकना भी शामिल है। जीवित प्राणियों की तस्वीरें प्रकाशित करना और कंप्यूटर या फोन पर उनकी तस्वीरें या वीडियो देखना भी प्रतिबंधित कर दिया गया है, जिससे अफगानिस्तान के मीडिया आउटलेट्स का भाग्य गंभीर खतरे में पड़ गया है।महिलाओं की आवाज़ रिकॉर्ड करना और फिर उन्हें निजी घरों के बाहर प्रसारित करना भी प्रतिबंधित है।

-विनीत नारायण-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

चोरी का आरोप लगाकर युवक को ट्रक में बांधकर लोगों ने बेदम पीटा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शहर के शिवधारी कॉलोनी में चोरी का आरोप लगाकर एक युवक को ट्रक में बांधकर मारपीट करने का वीडियो वायर हुआ है। लोग इतना आक्रोशित थे कि पुलिस के पहुंचने के पहुंचने के बाद भी युवक के साथ मारपीट करते रहे। किसी तरह बीच बचाव कर डायल 112 के आरक्षक ने युवक को बीच बचाव कर गांधीनगर थाना लाया। पुलिस द्वारा युवक की तलाशी लेने पर कुछ नहीं मिला। घटना तीन दिन पूर्व की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार शहर के शिवधारी कॉलोनी में तीन दिन पूर्व कुछ लोगों ने ट्रक से बैट्री चोरी करने का आरोप लगाकर एक युवक को ट्रक में बांधकर बेदम पिटाई करने का मामला सामने आया है। मारपीट करने का वीडिया भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सूचना पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंचने के बाद भी आक्रोशित लोगों ने युवक के साथ मारपीट करते रहे। लोगों के बीच पुलिस का भी भय नहीं रहा और उनके सामने ही युवक को पटकर मारपीट करते रहे। वीडिया में यह भी कह रहे हैं कि पुलिस तुम्हे नहीं बचा पाएगी। सामान निकाल कर दो। डायल 112 के पुलिसकर्मी ने किसी तरह बीच बचाव कर युवक को गांधीनगर थाना लेकर पहुंचा। यहां पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो कुछ नहीं मिला। पीड़ित युवक ने पुलिस को बताया कि मैं घटनास्थल की ओर गया था। वहां पर वायर पड़ा था। जिसे में उठा लिया था। उसी के आधार पर लोगों ने बैट्री चोरी करने का आरोप लगाकर ट्रक में बांधकर मारपीट की है।

पुलिस ने युवक के खिलाफ प्रतिबंधात्क कार्रवाई की थी।गांधीनगर थाना प्रभारी प्रदीप जायसवाल ने बताया कि घटना तीन दिन पुरानी है। उस समय वीडिया वायरल नहीं हुआ था। ट्रक से बैट्री चोरी करने का आरोप लगाकर कुछ लोग मारपीट युवक के साथ किए थे। डायल 112 की टीम मौके पर पुंचकर युवक को उनके बीच से छुड़ाकर थाना लाई थी। तलाशी में युवक के पास से कुछ नहीं मिला था। मामले में युवक के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई थी। इसके बाद रविवार को मामले का वीडिया वायरल हो रहा है। मारपीट किए जाने का कोई शिकायत नहीं मिली है। अगर कोई शिकायत करता है तो वीडिया के आधार पर मारपीट करने वाले युवकों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

चांची राजपुर व विश्रामपुर की टीम ने जीते मैच

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

नगर के गांधी स्टेडियम में खेले जा रहे संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबाल प्रतियोगिता के अंतर्गत रविवार को दो मैच खेला गया। पहला मैच दसवीं बटालियन सूरजपुर विरुद्ध फुटबॉल क्लब चांची राजपुर के मध्य खेला गया। मैच के प्रथम हाफ में दोनों टीमें अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए मध्यांतर तक बराबरी पर रहे। मैच के दूसरे हाफ में चांची राजपुर की टीम ने अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए टीम के मुकेश ने शानदार गोल की बदौलत चांची राजपुर की टीम दसवीं बटालियन को 1-0 गोल से हरा दिया। दूसरे मैच में ब्राइट स्टार विश्रामपुर विरुद्ध फुटबॉल क्लब राता के मध्य खेला गया। प्रथम हाफ में दोनों टीम बराबरी पर रही। दूसरे हाफ में ब्राइट स्टार विश्रामपुर के टीम ने अच्छे तालमेल से खेल का प्रदर्शन करते हुए टीम के शांतनु एवं सज्जू ने एक-एक गोल कर टीम को 2-0 से बढ़त बना दी। जो मैच के समाप्ति तक रही। इस तरह ब्राइट स्टार विश्रामपुर की टीम 2-0 से विजेता बनी। मैच मैच रेफरी ललित किशोर, दिनेश, सचिन, राम बहादुर लांबा, दीपक कुजूर और अखिलानंद रहे। सोमवार को भी दो मैच खेला जाएगा प्रथम मैच संत इग्निस नमना विरुद्ध फुटबॉल क्लब घट गांव व दूसरा मैच ट्राइबल टाइगर ए विरुद्ध फुटबॉल क्लब पोड़ीपा के मध्य खेला जाएगा।

शासन तंत्र धर्मांतरण को रोकने में सक्षम होते हुए भी है अक्षम है

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

तीन दिवसीय प्रवास पर पहुंचे जगतगुरु शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती ने कार्यक्रम के तीसरे दिन रविवार को सरगुजा क्षेत्र में हो रहे धर्मांतरण से जुड़े हुए एक प्रश्न पर उन्होंने कहा कि शासन तंत्र इस कृत्य को रोकने में सक्षम होते हुए भी अक्षम है, राजनेता अपने हितों के चलते इस कार्य में अपनी रुचि नहीं दिखा रहे हैं। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था पर उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था शिक्षा के साथ बच्चों एवं युवाओं में मानवीय मूल्यों, संस्कार का संवर्धन करने में सक्षम नहीं है। इसके लिए सनातन पद्धति से हम शिक्षा के साथ अपने संस्कार को संरक्षित कर सकते है।

वर्तमान में पितृपक्ष पखवाड़ा चल रहा है, इस संबंध में भी श्रद्धालुओं के मन में पितृ तर्पण संबंधी काफी जिज्ञासाएं थी जिनका सवालों के जवाब में उन्होंने शंका समाधान किया, तथा कहा कि हर सनातनी को पितृ तर्पण अवश्य करना चाहिए।

वर्तमान में सभी त्योहार दो-दो दिन मनाये जा रहे हैं इस संबंध में उन्होंने कहा कि वर्तमान पंचांग निर्माता पाश्चात्य पद्धति से प्रभावित हैं, इस संबंध में गहन अध्ययन उपरांत प्रकाशन की आवश्यकता है। दीक्षा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों को विधिवत दीक्षा दी। तथा विधिवत शास्त्रोक्त विधि से धर्म का पालन करने का संकल्प दिलाया।

गिफ्ट जोन दुकान से नकदी सहित सामान पार, रिपोर्ट दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शहर के ब्रह्मरोड स्थित बसंत गली मार्ग स्थित गिफ्ट जोन दुकान का दरवाजा तोडक़र नगदी सहित सामान चोरों ने पार कर दिया है। दुकान संचालक ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार संजय अग्रवाल का ब्रह्म रोड बसंत गली मार्ग में गिफ्ट जोन के नाम से दुकान है। वह 25 सितंबर की रात को दुकान बंद कर घर चला गया था। दूसरे दिन सुबह दुकान खोलने पहुंचा तो दुकान के पीछे का दरवाजा टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। चाहरों ने दुकान के काउंटर से नकदी 68 हजार व गिफ्ट के कई सामान पार कर दिया है। दुकान संचालक संयज अग्रवाल ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 331(2), 305 (4) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

देर रात तक खुले हुए दुकानों के संचालकों को दी गई समझाइश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सरगुजा पुलिस द्वारा शनिवार की देर शाम सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। शहरी व ग्रामीण थाना क्षेत्रों में पुलिस बाइक से व पैदल गश्त की गई। इस दौरान 64 पुलिस अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। शहर के संवेदनशील क्षेत्रों में चेकिंग अभियान चलाकर असामाजिक तत्वों पर सख्ती से कार्रवाई की गई। पुलिस टीम द्वारा अभियान के तहत गुंडा बदमाश, निगरानी बदमाश की चेकिंग की गई। निगारानी गुंडा बदमाशों को किसी भी आपराधिक गतिविधि में शामिल होना पाए जाने पर सख्ती से कार्रवाई किए जाने की सख्त चेतावनी दी गई। इस दौरान पुलिस टीम द्वारा देर रात तक खुले हुए दुकानों के संचालकों को कड़ी समझाइश देते हुए समय पर दुकान बंद करने की चेतावनी दी गई। चेकिंग अभियान के दौरान अनुविभागीय अधिकारी पुलिस आमित पटेल, थाना कोतवाली, थाना गांधीनगर एवं थाना मणिपुर के पुलिस अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के सहायक एवं उप अभियंताओं का प्रशिक्षण सम्पन्न

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

ग्रामीण सड़क नेटवर्क प्रबंधन इकाई के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि सरगुजा संभाग के ग्रामीण यांत्रिकी सेवा अंतर्गत भवनों का निर्माण एवं मरम्मत नियमित रूप से किये जाते हैं। भवन निर्माण कार्य के गुणवत्ता में प्रभावी ढंग से एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ करने हेतु तथा किसी प्रकार की क्षति से बचने हेतु नियमित रख-रखाव किये जाने के संबंध में शनिवार को ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के सहायक एवं उप अभियंताओं का एकदिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ।

प्रशिक्षण में ÷कंस्ट्रक्शन ऑफ बिल्डिंग एंड मेंटेनेंस÷ विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अधीक्षण अभियंता एवं कार्यपालन अभियंता उपस्थित रहे। प्रशिक्षणार्थी प्रतिभागियों को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज अम्बिकापुर के प्राचार्य श्री जे.आर. पाण्डेय एवं व्याख्याता श्री प्रतीक जायसवाल के द्वारा कंस्ट्रक्शन ऑफ बिल्डिंग तथा श्री प्रदीप कुमार सोनी एवं श्रीमती पल्लवी वर्मा के द्वारा बिल्डिंग मेंटेनेंस के विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सरगुजा संभाग के ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के 15 सहायक अभियंता एवं 26 उप अभियंता उपस्थित रहे।

16 केवी ट्रांसफार्मर से कॉपर वाइंडिंग की हुई चोरी

» जेई ने लखनपुर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

» विभाग के ही कर्मचारियों पर जताई चोरी की आशंका

- संवाददाता -
लखनपुर,29 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित कनिष्ठ यंत्री कार्यालय लखनपुर अंतर्गत 16 केवी ट्रांसफार्मर के आंतरिक सामग्री कॉपर और वाइंडिंग की चोरी का मामला सामने आया है। जेई ने लखनपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया है। विद्युत विभाग के कर्मचारी पर चोरी की आशंका का जताई जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम ल ो स ग ी तीनघरवापारा में 26 सितंबर की रात 16 केवी ट्रांसफार्मर से आंतरिक सामग्री कॉपर वाइंडिंग सहित अन्य सामानों को अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर लिया गया। चोरी उपरांत 10 घरों की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई है। जैसे ब्राह्मणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा। विद्युत विभाग को लगभग ?30000 की आर्थिक छती हुई है। विद्युत विभाग के जूनियर इंजीनियर (जेई) सचिन कुजूर के द्वारा लखनपुर थाने पहुंच चोरी के संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराया गया है। उन्होने आशंका जताई है विद्युत विभाग के ही कर्मचारियों के द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया है। फिलहाल लखनपुर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है। गौरतलब है कि लखनपुर क्षेत्र में 16 केवी ट्रांसफार्मर के आंतरिक सामग्रियों की चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही है। इससे पूर्व लटोरी सब स्टेशन छेत्र के निम्हा दमाऊकुंड, बगदर्री बड़ीझरिया, लटोरी हाई स्कूल के पास के पास लगे 16 केवी ट्रांसफार्मर के आंतरिक सामग्री की चोरी करी गई है लगातार संगठित तरीके से चोरी की घटना को अंजाम दिया जा रहा है। विद्युत विभाग को लाखों रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है।

अवैध कबाड़ दुकान खुलने से क्षेत्र में चोरी की घटनाएं बढ़ी

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अवैध रूप से कबाड़ दुकान का संचालन हों रहा है। और इन अवैध कबाड़ दुकानों में धड़ल्ले से चोरियों के सामान खरीदे जा रहे हैं। कबाड़ दुकान खुल जाने से चोरी की घटना में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। अब तक इन कबाड़ दुकानों में कार्यवाही नहीं की गई है जिससे उनके हौसले बुलंद है।बड़े पैमाने पर लखनपुर क्षेत्र में चोरी के सामानों की खरीदी बिक्री की जा रही है।

अवैध प्रवासियों की वापसी के बाद ही भारतीयों को दिया जाए वीजा

ऋषि सुनक की पार्टी के नेताओं ने उठाई मांग

लंदन,29 सितम्बर 2024। भारतीयों को वीजा देने पर प्रतिबंध लगाने की मांग ब्रिटेन में उठने लगी है। ऋषि सुनक की पार्टी कंजर्वेटिव के दो नेताओं ने वीजा देने पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही ब्रिटेन में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को वापस भेजने का मुद्दा उठाया है। कंजर्वेटिव पार्टी के मुख्य नेता बनने की दौड़ में शामिल नेता रॉबर्ट जेनरिक और केमी बेडेनोच ने कहा है कि भारतीयों को वीजा देने और ब्रिटेन में अप्रवासन में कटौती की जाए।

बर्मिंघम में कंजर्वेटिव पार्टी के सम्मेलन के दौरान पूर्व आव्रजन मंत्री रॉबर्ट जेनरिक ने कहा कि भारत पर तब तक सभी श्रेणियों में सख्त वीजा प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए, जब तक वह ब्रिटेन में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को वापस नहीं ले लेता है। उन्होंने कहा कि पिछले साल ढाई लाख भारतीयों को ब्रिटेन का वीजा दिया गया। इसके बाद भी करीब एक लाख से अधिक भारतीय ब्रिटेन में अवैध रूप से रह रहे हैं।

उन्होंने चिंता जताई कि भारत-ब्रिटेन के बीच प्रवासन साझेदारी में अवैध प्रवासियों की वापसी को लेकर पहल की गई थी, लेकिन इसके बाद भी अवैध रूप से रह रहे सैकड़ों भारतीय प्रवासियों की वापसी लटकी हुई है। सरकार को गंभीर वीजा प्रतिबंध लगाकर और विदेशी सहायता प्रतिबंधित करके ऐसे देशों को रोकना चाहिए, जो अपने नागरिकों को यहां वापस नहीं लेते हैं।

वहीं केमी बेडेनोच ने भी यही मुद्दा उठाया। उन्होंने सितंबर 2022 में भारत-पाकिस्तान एशिया क्रिकेट कप मैच के दौरान लीसेस्टर की सड़कों पर हुईं झड़पों को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने ब्रिटेन की सड़कों पर अशांति पैदा करने के लिए भारत के प्रवासियों की निंदा की है। उन्होंने कहा कि बिल्कुल स्पष्ट है कि ऐसे कई लोग हैं जो हाल ही में इस देश में आए हैं। वे अपने मूल देश से ऐसे विचार लेकर आए हैं जिनका यहां कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि मैंने लोगों को भारत से सांस्कृतिक विवादों को लीसेस्टर की सड़कों पर लाते हुए देखा। हमें यह तय करने जरूरत है कि जब लोग इस देश में आएं, तो वे अपने मतभेदों को पीछे छोड़ दें।

कंजर्वेटिव पार्टी के सम्मेलन में पार्टी के मुख्य नेता को चुना जाएगा, जोकि पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की जगह लेगा। इसमें रॉबर्ट जेनरिक और केमी बेडेनोच,पूर्व कैबिनेट मंत्री जेम्स क्लेवरली और टॉम तुगेंदट आमने-सामने होंगे। नए कंजर्वेटिव पार्टी प्रमुख और विपक्षी नेता की घोषणा दो नवंबर को मतदान समाप्त होने के बाद की जाएगी। यह चुनाव जुलाई में कंजर्वेटिव पार्टी की आम चुनाव में हार के बाद ऋषि सुनक के इस्तीफे के बाद हो रहा है।

इस्राइल के हवाई हमले में मारा गया शीर्ष कमांडर अली कराकी,हिजबुल्ला ने की पुष्टि

बेरूत,29 सितम्बर 2024। लेबनान में इस्राइल के हवाई हमले में हिजबुल्ला का शीर्ष कमांडर अली कराकी मारा गया है। हिजबुल्ला ने इसकी पुष्टि की है। बता दें कि अली कराकी का खात्मा हिजबुल्ला के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। हिजबुल्ला ने कहा कि कराकी की मौत उसी हमले में जिसमें हिजबुल्ला के प्रमुख हसन नसरल्ला को मारा गया था।

हाल के दिनों में इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। इस्राइल ने युद्ध के एक नए चरण का एलान किया है जिसका उद्देश्य हिजबुल्ला को सीमा से पीछे धकेलना है, ताकि उत्तरी इस्राइल से विस्थापित हजारों लोग वापस लौट सकें। लेबनान में पिछले हफ्ते से ही इस्राइली हमले हो रहे हैं जहां पहले पेजर और फिर वॉकी-टॉकी में हुए धमाकों में करीब 20 लोग मारे गए और 3500 जख्मी हुए थे। नए तरह के हमलों में हिजबुल्ला के कई सदस्य घायल हुए।

पिछले सप्ताह ही लेबनान की राजधानी बेरूत में इस्राइल के हवाई हमले में समूह के दो सीनियर कमांडर इब्राहिम अकील कुबैसी और अहमद वहबी मारे गए थे। इस्राइल के अनुसार, कुबैसी हिजबुल्ला के मिसाइल और रॉकेट बल का नेतृत्व करता था। 23 सितंबर को इस्राइल ने दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में 1,000 से ज्यादा जगहों पर बमबारी की। इस्राइली लड़ाकू विमानों ने देश में हिजबुल्ला के ठिकानों पर बमबारी की जिसमें 558 लोग मारे गए और 1,800 अन्य घायल हो गए। यह 2006 के बाद से लेबनान में हुए सबसे घातक हमला था। इसी कड़ी में आईडीएफ ने शुक्रवार को बेरूत में हवाई हमले में हिजबुल्ला प्रमुख नसरल्ला को मार गिराया।

इस्राइल के हालिया हमलों में हिजबुल्ला के कई शीर्ष कमांडरों की मौत हो गई है जिससे इसकी आंतरिक सुरक्षा पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। इसके बाद नसरल्ला की मौत हिजबुल्ला के लिए पिछले कई वर्षों की तुलना में कहीं अधिक बड़ी चुनौती बन गई है। विशेषज्ञ कहते हैं कि पूरा परिदृश्य बड़े पैमाने पर बदल जाएगा। नसरल्ला एक बड़े संगठन को एक साथ जोड़े रखने वाला गोंद रहा है।

बलूचिस्तान में पंजाब के 7 मजदूरों की हत्या, संदिग्ध आतंकवादियों की कायराना हरकत

बलूचिस्तान,29 सितम्बर 2024। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में संदिग्ध आतंकवादियों ने रविवार को कम से कम सात पंजाबी मजदूरों की हत्या कर दी। ये वारदात अशांत क्षेत्र में इस तरह की हत्या की ताजा घटना है। पुलिस ने बताया कि ये मजदूर पंजगुर शहर के खुदा-ए-अबादन इलाके में एक मकान के निर्माण के लिए काम पर रखे गए थे। पीड़ित पंजाब प्रांत के मुल्तान जिले के रहने वाले थे और हमले के समय वे दिन भर की मेहनत के बाद एक ही छत के नीचे सो रहे थे। जानकारी के मुताबिक स्वचालित हथियारों से लैस हमलावर परिसर में घुसे और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

किसी संगठन ने लगी हमले की जिम्मेदारी

पुलिस महानिरीक्षक मोअज्जम जाह अंसारी ने डॉन को बताया, सात मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

मृतकों की पहचान साजिद,शफीक, फैयाज,इफ्तिखार,सलमान,खालिद और अल्लाह वासिया के रूप में हुई है। अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली, लेकिन पंजगुर के एसएसपी फाजिल शाह बुखारी ने कहा कि यह एक आतंकवादी हमला है और कहा कि जांच शुरू कर दी गई है।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने की हमले की निंदा

वहीं पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस हमले की निंदा की। जबकि प्रधानमंत्री ने बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती से इस मामले में रिपोर्ट मांगी। उन्होंने आतंकवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए हर संभव कदम उठाने का संकल्प भी दोहराया।

बलूच आतंकवादी में पंजाबी श्रमिकों को बनाते हैं निशाना

यह हमला ऐसी वारदातों की एक श्रृंखला में से एक है,जिसमें बलूच आतंकवादी प्रांत में पंजाबी श्रमिकों को निशाना बनाते हैं। आतंकवादियों का आरोप है कि पंजाबी बहुल कंपनियां प्रांत को उसकी खनिज संपदा से वंचित कर रहा है, हालांकि अधिकारियों ने इस आरोप का खंडन किया है।

पहले भी 23 लोगों की गई थी हत्या

पिछली ऐसी वारदात में, इसके विद्रोहियों ने अगस्त में प्रांत के मुसाखेल जिले में कम से कम 23 लोगों की हत्या कर दी थी। हथियारबंद लोगों ने यात्रियों को ट्रकों और बसों से उतार दिया और उनकी पहचान की जांच करने के बाद उन्हें गोली मार दी थी।

तीन महीने पुरानी स्टार्मर सरकार को लगा बड़ा झटका, MP डफफील्ड ने गंभीर आरोप लगाते हुए दिया इस्तीफा

लंदन,29 सितम्बर 2024। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को अभी सत्ता संभालने हुए तीन महीने ही हुए हैं। लेकिन नई सरकार को कई आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। सत्तारूढ़ लेबर पार्टी के एक सांसद रोजी डफफील्ड ने रविवार को भी स्टार्मर सरकार से इस्तीफा दे दिया है। उन्होने स्टार्मर सरकार पर कई संगीन आरोप लगाए हैं।

पीएम को पहला झटका

जुलाई में 10 डाउनिंग स्ट्रीट में कार्यभार संभालने के बाद ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को यह पहला झटका लगा है। पार्टी से इस्तीफा देने वाली रोजी डफफील्ड ने नेतृत्व पर तीखा हमला बोला है। कैंटरबरी की सांसद रोजी डफफील्ड अब हाउस ऑफ कॉमन्स में एक स्वतंत्र सदस्य के रूप में बैठेंगी। द संडे टाइम्स में छपे उनके इस्तीफे में रोजी ने महंगे मुफ्त उपहार विवाद के बीच लेबर नेता की क्रूर और अनावश्यक नीतियों पर भी हमला किया है।

डफफिल्ड ने बताया कि उनके पद छोड़ने का उनका मुख्य कारण सरकार की अलोकप्रिय नीतियों का कार्यक्रम है। रोजी डफिल्ड ने अपने त्यागपत्र में लिखा है, वे क्रूर और अनावश्यक हैं और हमारे हजारों सबसे गरीब,सबसे कमजोर मतदाताओं को प्रभावित करते हैं। मुझे ऐसा करने के लिए नहीं चुना गया था। यह बुद्धिमानी की राजनीति भी नहीं है और निश्चित रूप से यह सेवा की राजनीति नहीं है।

स्टार्मर पर लगाए गंभीर आरोप

उन्होने कहा कि,पीएम ने आम चुनाव के दौरान जो वादा किया था। उसे स्टार्मर सरकार पूरा करेगी, इसका कोई भरोसा नहीं है। सांसद ने कहा कि उन्हें लेबर पीएम के उस तथाकथित बदलाव को पूरा करने की प्रतिबद्धता पर विश्वास नहीं है। जिसका वादा उन्होंने आम चुनाव के दौरान किया था। नई सरकार अपने मतदाताओं की आंखों में आंखें डालकर यह नहीं बता सकतीं कि उन्होंने कुछ बदल दिया है।

स्टार्मर को निशाने पर लेते हुए रोजी ने कहा कि, प्रधानमंत्री के रूप में आपके अंदर प्रबंधन, दृष्टिकोण और राजनीतिक सूझबूझ की कमी, एक पार्टी के रूप में हम पर टूट पड़ी है। जबकि हमने इतनी मेहनत की, इतने वादे किए और सत्ता में लौटने के लिए ब्रिटिश जनता द्वारा जनादेश दिए जाने का चौदह साल तक इंतजार किया था। जुलाई में सरकार बदलने के बाद से पाखंड के खुलासे चौंका देने वाले है, जो लगातार अपमानजनक होते जा रहे हैं। मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती हूं कि मैं और मेरे सहकर्मी आपकी इस बात पर कितने नाराज हैं कि आपने हम सभी को किस तरह पेश किया है।

रोजी डफफील्ड ने स्टार्मर पर लेबर पार्टी को बदनाम करने का आरोप लगाया है। उन्होंने पीएम पर हमला करते हुए कहा कि आपने भ्रष्टाचार, परिवारवाद और लालच को हद से ज्यादा का बढ़ावा दिया है। आप और आपके करीबी लोगों ने हमारी गौरवशाली पार्टी को कलंकित और अपमानित करने के लिए जो कुछ किया है,उससे मैं बहुत शर्मिंदा हूं। बता दें कि यह इस्तीफा स्टार्मर द्वारा [illegible] 107,145 का उपहार प्राप्त करने के खुलासे के बाद आया है।

नसरल्ला के बाद शीर्ष हिजबुल्ला कमांडर नबील काऊक भी मारा गया,इस्राइली सेना का दावा

नसरल्ला,29 सितम्बर 2024। इस्राइली सेना ने रविवार को कहा कि उसने हिजबुल्लाह कमांडर नबील काऊक को मार गिराया है। हालांकि नबील काऊक की मौत की पुष्टि हिजबुल्ला ने नहीं की है, लेकिन सोशल मीडिया पर उसके समर्थक शनिवार से ही शोक संदेश पोस्ट कर रहे हैं। बता दें कि नबील काऊक का खात्मा हिजबुल्ला के प्रमुख हसन नसरल्ला के शुक्रवार को इस्राइली सेना की तरफ से किए गए बड़े हमले में मारे जाने के एक दिन बाद हुआ है। जानकारी के मुताबिक नबील काऊक हिजबुल्ला की केंद्रीय परिषद के उप प्रमुख के रूप में कार्यरत था।

इस्राइल के खिलाफ आतंकवादी हमलों में शामिल था काऊक

इस्राइली सेना की तरफ से किए गए ट्वीट के अनुसार हिजबुल्ला की निवारक सुरक्षा इकाई के कमांडर और उनकी कार्यकारी परिषद के सदस्य, नबील काऊक को आईडीएफ के एक सटीक हमले में मार गिराया गया। नबील काऊक हिजबुल्ला के वरिष्ठ कमांडरों का करीबी था और सीधे तौर पर इस्राइल और उसके नागरिकों के खिलाफ आतंकवादी हमलों में शामिल था।

1980 के दशक में हिजबुल्ला में शामिल हुआ था काऊक

आईडीएफ के अनुसार, नबील काऊक 1980 के दशक में हिजबुल्ला में शामिल हुआ और वो अपने क्षेत्र में विशेषज्ञता का एक महत्वपूर्ण स्रोत माना जाता था, उसने ऑपरेशनल काउंसिल में दक्षिणी क्षेत्र के डिप्टी कमांडर, दक्षिणी क्षेत्र के कमांडर और ऑपरेशनल काउंसिल के डिप्टी कमांडर के रूप में काम किया था। आईडीएफ ने ट्वीट में कहा- वो हिजबुल्ला आतंकवादी संगठन के कमांडरों पर हमला करना और उन्हें खत्म करना जारी रखेगा और इस्राइल के नागरिकों को धमकी देने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

एल फशर में अर्धसैनिक बलों के हमले में 8 लोगों की मौत,95 घायल

खार्तूम,29 सितम्बर 2024। पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी एल फशर में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के हमले में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 95 अन्य घायल हो गए।

उत्तरी दारफुर राज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक इब्राहिम खातिर ने शुक्रवार को समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया, आरएसएफ की गोलाबारी का लक्ष्य एल फशर के दक्षिण में स्थित सूक अल-मवाशी बाजार था, जहां लोगों की भीड़ थी। आरएसएफ ने अभी तक इस हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। 10 मई से एल फशर में सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) और आरएसएफ के बीच भीषण झड़पें चल रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार, एल फशर में लगभग 15 लाख लोग रहते हैं, जिनमें से 8 लाख लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हैं। ज्ञात हो कि 22 सितंबर को सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के बीच सशस्त्र संघर्ष में तीन बच्चों समेत कम से कम 11 लोग मारे गए थे और 17 अन्य घायल हुए थे। यह झड़पें पश्चिमी उत्तर दारफुर राज्य की राजधानी एल फशर में हुई थी।

गैर-सरकारी सूडानी डॉक्टर्स नेटवर्क ने एक बयान में चेतावनी दी थी गई कि घनी आबादी वाले शहर में 10 मई से जारी संघर्षों से गंभीर मानवीय आपदा पैदा हो सकती हैं। उन्होंने गोलाबारी तत्काल बंद करने और शहर से नाकाबंदी हटाने की मांग की थी। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार, 15 अप्रैल 2023 से सूडान एसएएफ और आरएसएफ के बीच हिंसक संघर्ष में उलझा हुआ है। इस संघर्ष की वजह से कम से कम 20,000 लोगों की मौत हुई है और हजारों घायल हुए हैं। इसके अलावा लाखों लोग विस्थापित हुए हैं।

नसरल्ला की मौत के बाद चीन की अपील-तनाव कम करने के लिए कदम उठाएं सभी पक्ष

नागरिकों को जारी की एडवाइजरी

बीजिंग,29 सितम्बर 2024। चीन ने रविवार को इस्राइल और संबंधित पक्षों से आग्रह किया कि वे तुरंत ऐसे कदम उठाएं जिससे पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को कम किया जा सके। उसने यह अपील ऐसे समय में कही है, जब इस्राइल के हवाई हमलों में ईरान समर्थित हिजबुल्ला के नेता हसन नसरल्ला को मारा गया है। चीन ने कहा कि इस तरह की घटनाएं स्थिति और खराब कर सकती हैं, इसलिए सभी पक्षों को शांति बनाए रखने की जरूरत है।

चीन के विदेश मंत्रालय ने जारी किया बयान

चीन के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, चीन इस घटना पर करीब से नजर रख रहा है और क्षेत्र में बढ़ते तनाव से काफी चिंतित है। मंत्रालय ने कहा कि यह जरूरी है कि सभी पक्ष स्थिति को सामान्य करने के लिए तत्काल कदम उठाएं, ताकि संघर्ष नियंत्रण से बाहर न जा सके। इस घटना के बाद चीनी नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है, जिसमें उन्हें लेबनान की यात्रा करने से बचने की सलाह दी गई है। मंत्रालय ने कहा, ÷चीन लेबनान की संप्रभुता और सुरक्षा के उल्लंघन के खिलाफ है और निर्दोष नागरिकों के खिलाफ किसी भी कार्रवाई की निंदा करता है।

खामनेई ने की पांच दिन के सार्वजनिक अवकाश की घोषणा

नसरल्ला की मौत के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई को किसी सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है। खामनेई ने नसरल्ला की मौत पर कहा कि उनकी मौत का बदला लिया जाएगा। उन्होंने नसरल्लाह की मौत पर पांच दिन दिन के सार्वजनिक शोक की घोषणा की है।

चीन ने बुलाई थी फलस्तीनी संगठनों की बैठक

हाल के वर्षों में चीन ने पश्चिम एशिया में अपने कूटनीतिक तालमेल बढ़ाया है, ताकि अमेरिका का प्रभाव कम किया जा सके। पिछले साल बीजिंग ने ईरान और सऊदी अरब के बीच एक ऐतिहासिक शांति समझौता कराने में मदद की थी। गाजा में युद्ध के बीच चीन ने जुलाई में फतह और हमास सहित 14 फलस्तीनी संगठनों की बैठक बुलाई थी, ताकि उनके बीच एकता लाई जा सके। चीन ने इस साल जुलाई में तेहरान में हमास नेता इस्माइल हानिया की मौत की निंदा की थी और चेतावनी देते हुए कहा था कि यह क्षेत्र और गहरे संकट में डाल सकता है।

नागरिकों के लिए जारी की चेतावनी- सुरक्षित स्थानों पर जाएं

इस बीच, लेबनान में चीन के दूतावास ने अपने नागरिकों को लेबनान-इस्राइल सीमा पर बढ़ते संघर्ष के बारे में चेतावनी जारी की है। दूतावास ने कहा, हम सभी चीनी नागरिकों से अनुरोध करते हैं कि वे घटनाक्रम पर ध्यान दें और इस समय लेबनान की यात्रा से बचें। जो लोग अभी लेबनान में हैं, उन्हें जल्द से जल्द सुरक्षित क्षेत्रों में जाने की सलाह दी जाती है।

CMYK

अर्जुन से बदला लेने के लिए जब कर्ण के तूणीर में पहुंचा एक जहरीला सर्प

महाभारत से इतर भी हमें महाभारत के संबंध में कुछ कथाएं मिलती हैं। उन्हीं में से एक कथा है कर्ण और सर्प के बारे में। लोककथाओं के अनुसार माना जाता है कि युद्ध के दौरान कर्ण के तूणीर में कहीं से एक बहुत ही जहरीला सर्प आकर बैठ गया। तूणीर अर्थात जहां तीर रखते हैं, जिसे तरकश भी कहते हैं। यह पीछे पीठ पर बंधी होती है। कर्ण ने जब एक तीर निकालना चाहा तो तीर की जगह यह सर्प उनके हाथ में आ गया। कर्ण ने पूछा, तुम कौन हो और यहां कहां से आ गए। तब सर्प ने कहा, हे दानवीर कर्ण, मैं अर्जुन से बदला लेने के लिए आपके तूणीर में जा बैठा था। कर्ण ने पूछा, क्यों?

इस पर सर्प ने कहा, राजन! एक बार अर्जुन ने खांडव वन में आग लगा दी थी। उस आग में मेरी माता जलकर मर गई थी, तभी से मेरे मन में अर्जुन के प्रति विद्रोह है। मैं उससे प्रतिशोध लेने का अवसर देख रहा था। वह अवसर मुझे आज मिला है। कुछ रुककर सर्प फिर बोला, आप मुझे तीर के स्थान पर चला दें। मैं सीधा अर्जुन को जाकर डस लूंगा और कुछ ही क्षणों में उसके प्राण-पखेरू उड़ जाएंगे।

सर्प की बात सुनकर कर्ण सहजता से बोले, हे सर्पराज, आप गलत कार्य कर रहे हैं। जब अर्जुन ने खांडव वन में आग लगाई होगी तो उनका उद्देश्य तुम्हारी माता को जलाना कभी न रहा होगा। ऐसे में मैं अर्जुन को दोषी नहीं मानता। दूसरा अनैतिक तरह से विजय प्राप्त करना मेरे संस्कारों में नहीं है इसलिए आप वापस लौट जाएं और अर्जुन को कोई नुकसान न पहुंचाएं। यह सुनकर सर्प वहां से उड़ गया। यदि कर्ण सर्प की बात मान लेते तो क्या होता?

विंध्याचल पर्वत माला का पौराणिक महत्व

यह पर्वत प्राचीन भारत के सप्तकुल पर्वतों में से एक है। विंध्य' शब्द की व्युत्पत्ति 'विध' धातु से कही जाती है। भूमि को बेध कर यह पर्वतमाला भारत के मध्य में स्थित है। यही मूल कल्पना इस नाम में निहित जान पड़ती है। विंध्य की गणना सप्तकुल पर्वतों में है। विंध्य का नाम पूर्व वैदिक साहित्य में नहीं है। इस पर्वत श्रंखला का वेद, महाभारत, रामायण और पुराणों में कई जगह उल्लेख किया गया है। विंध्य पहाड़ों की रानी विंध्यवासिनी माता है। मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर (मिरजापुर, उप्र.) श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। देश के 51 शक्तिपीठों में से एक है विंध्याचल। विध्यांचल पर्वतश्रेणी पहाड़ियों की टूटी-फूटी श्रृंखला है, जो भारत की मध्यवर्ती उच्च भूमि का दक्षिणी कगार बनाती है। यह पर्वतमाल भारत के पश्चिम-मध्य में स्थित प्राचीन गोलाकार पर्वतों की श्रेणियां है, जो भारत उपखंड को उत्तरी भारत व दक्षिणी भारत में बांटती है। इस पर्वतमाला का विस्तार उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, बिहार तक लगभग 1,086 किमी.तक विस्तृत फैला है। हालांकि इसकी कई छोटी बड़ी पहाड़ियों को विकास का नाम पर काट दिया गया है। इन श्रेणियों में बहुमूल्य हीरे युक्त एक भ्रंशीय पर्वत भी हैं।

इसकी प्रमुख नदियां : पहाड़ों के कटने से यहां से निकलने वाली नदियों का अस्तित्व भी संकट में है। विंध्य पर्वत में से उद्गम पाने वाली नदियां- शिप्रा या भद्रा (सिप्रा), पयोष्णी, निर्विंध्या (नेबुज), तापी निषधा या निषधावती (सिंद), वेण्वा या वेणा (वेणगंगा), वैतरणी (बैत्रणी), सिनीवाली या शिति बाहू, कुमुद्वती (स्वर्ण रेखा), करतोया या तोया (ब्राह्मणी), महागौरी (दामोदर), और पूर्णा, शोण (सोन), महानद (महानदी) और नर्मदा। मध्यप्रदेश और गुजरात की सरकार ने मिलकर सबसे बड़ी नर्मदा नदी की हत्या कर दी है। इस एक नदी के कारण संपूर्ण मध्यप्रदेश और गुजरात के जंगल हरे भरे और पशु पक्षी जीवंत रहते थे। लेकिन अब बांध बनाकर एक ओर जहां नदी के जलचर जंतु मर गए है।

प्राकृतिक संपदा : भारत में पर्यावरण विनाश की सीमा अरावली पर्वत श्रेणियों और पश्चिम के घाटों तक ही सीमित नहीं हैं, मध्यक्षेत्र में भी बेतरतीब ढंग से जारी रहकर प्राकृतिक संपदाओं के दोहन के कारण सतपुड़ा और विंध्याचल की पर्वत श्रेणियां तो खतरे में हैं ही अनेक जीवनदायी नदियों का वजूद भी संकट में है। वे लोग देशद्रोही है जो अपनी ही धरती को छलनी कर उसे विकास के नाम पर नष्ट कर रहे हैं।

पुराणों अनुसार : इसके अंतर्गत रोहतासगढ़, चुनारगढ़, कलिंजर आदि अनेक दुर्ग हैं तथा चित्रकूट, विन्ध्याचल आदि अनेक पावन तीर्थ हैं। पुराणों के अनुसार इस पर्वत ने सुमेरू सेर् ईष्या रखने के कारण सूर्यदेव का मार्ग रोक दिया था और आकाश तक बढ़ गया था, जिसे अगस्त्य ऋषि ने नीचे किया। यह शरभंग, अगस्त्य इत्यादि अनेक श्रेष्ठ ऋषियों की तप :स्थली रहा है। हिमालय के समान इसका भी धर्मग्रंथों एवं पुराणों में विस्तृत उल्लेख मिलता है।

अगस्त्य मुनि : दक्षिण भारत और हिदु महासागर से संबंधि अगस्ति (अगस्त्य) मुनि की गाथा है। उन्होंने विंध्याचल के बीच से दक्षिण का मार्ग निकाला। किंविदंती है कि विंध्याचलपर्वत ने उनके चरणों पर झुककर प्रणाम किया। उन्होंने आशीर्वाद देकर कहा कि जब तक वे लौटकर वापस नहीं आते, वह इसी प्रकार झुका खड़ा रहे। वह वापस लौटकर नहीं आए और आज भी विंध्याचल पर्वत वैसे ही झुका उनकी प्रतीक्षा कर रहा है।

विंध्याचल के जंगल : विंध्यांचल पर्वत श्रेणियों के दोनों तरफ घने जंगल हैं, जो अब शहरी आबादी और विकास के चलते काट दिए गए हैं। अन जंगलों में शेर, चीते, भालु, बंदर, हिरणों के कई झुंड होते थे जो अब दर बदर हैं। अब चंबल, सतपुड़ा और मालवा के पठारी इलाके में ही कुछ जंगल बचे हैं। यहां की पर्वतों की कंदराओं में कई प्राचीन ऋषियों के आश्रम आज भी मौजूद हैं। यह क्षेत्र पहले ऋषि मुनियों का तप स्थल हुआ करता था। पर्वतों की कंदराओं में साधना स्थल, दुर्लभ शैल चित्र, पहाड़ों से अनवरत बहती जल की धारा, गहरी खाईयां और चारों ओर से घिरे घनघोर जंगलों पर अब संकट के बादल घिर गए हैं। यहीं पर भीम बैठका जैसी गुफाएं हैं।

शिव को क्यों प्रिय है भस्म?

शिवजी के पूजन में भस्म अर्पित करने का विशेष महत्व है। बारह ज्योर्तिलंग में से एक उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में प्रतिदिन भस्म आरती विशेष रूप से की जाती है। यह प्राचीन परंपरा है। आइए जानते है शिवपुराण के अनुसार शिवलिंग पर भस्म क्यों अर्पित की जाती है। भगवान शिव अद्भुत व अविनाशी हैं। भगवान शिव जितने सरल हैं, उतने ही रहस्यमयी भी हैं। भोलेनाथ का रहन-सहन, आवास, गण आदि सभी देवताओं से एकदम अलग हैं। शास्त्रों में एक ओर जहां सभी देवी-देवताओं को सुंदर वस्त्र और आभूषणों से सुसज्जित बताया गया है, वहीं दूसरी ओर भगवान शिव का रूप निराला ही बताया गया है। शिवजी सदैव मृगचर्म (हिरण की खाल) धारण किए रहते हैं और शरीर पर भस्म (राख) लगाए रहते हैं। शिवजी का प्रमुख वस्त्र भस्म यानी राख है, क्योंकि उनका पूरा शरीर भस्म से ढंका रहता है। शिवपुराण के अनुसार भस्म सृष्टि का सार है, एक दिन संपूर्ण सृष्टि इसी राख के रूप में परिवर्तित हो जानी है। ऐसा माना जाता है कि चारों युग (त्रेता युग, सत युग, द्वापर युग और कलियुग) के बाद इस सृष्टि का विनाश हो जाता है और पुन : सृष्टि की रचना ब्रह्माजी द्वारा की जाती है। यह क्रिया अनवरत चलती रहती है। इस सृष्टि के सार भस्म यानी राख को शिवजी सदैव धारण किए रहते हैं। इसका यही अर्थ है कि एक दिन यह संपूर्ण सृष्टि शिवजी में विलीन हो जानी है। शिवपुराण के लिए अनुसार भस्म तैयार करने के लिए कपिला गाय के गोबर से बने कंडे, शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर के वृक्ष की लकड़ियों को एक साथ जलाया जाता है। इस दौरान उचित मंत्रोच्चार किए जाते हैं। इन चीजों को जलाने पर जो भस्म प्राप्त होती है, उसे कपड़े से छान लिया जाता है। इस प्रकार तैयार की गई भस्म शिवजी को अर्पित की जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस प्रकार तैयार की गई भस्म को यदि कोई इंसान भी धारण करता है तो वह सभी सुख-सुविधाएं प्राप्त करता है। शिवपुराण के अनुसार ऐसी भस्म धारण करने से व्यक्ति का आकर्षण बढ़ता है, समाज में मान-सम्मान प्राप्त होता है। अत : शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाना चाहिए। जिस प्रकार भस्म यानी राख से कई प्रकार की वस्तुएं शुद्ध और साफ की जाती है, ठीक उसी प्रकार यदि हम भी शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाएंगे तो अक्षय पुण्य की प्राप्ति होगी और कई जन्मों के पापों से मुक्ति मिल जाएगी।

भस्म की यह विशेषता होती है कि यह शरीर के रोम छिद्रों को बंद कर देती है। इसे शरीर पर लगाने से गर्मी में गर्मी और सर्दी में सर्दी नहीं लगती। भस्म, त्वचा संबंधी रोगों में भी दवा का काम भी करती है। शिवजी का निवास कैलाश पर्वत पर बताया गया है, जहां का वातावरण एकदम प्रतिकूल है। इस प्रतिकूल वातावरण को अनुकूल बनाने में भस्म महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भस्म धारण करने वाले शिव संदेश देते हैं कि परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लेना चाहिए। जहां जैसे हालात बनते हैं, हमें भी स्वयं को उसी के अनुरूप बना लेना चाहिए।

क्यों लगाते हैं भोलेनाथ शरीर पर भस्म, कैसे बनती है भस्मार्ती की भस्म

भगवान शिव ने अपने तन पर जो भस्म रमाई है वह उनकी पत्नी सती की चिता की भस्म थी जो कि अपने पिता द्वारा भगवान शिव के अपमान से आहत हो वहां हो रहे यज्ञ के हवनकुंड में कूद गई थी। भगवान शिव को जब इसका पता चला तो वे बहुत बेचैन हो गये। जलते कुंड से सती के शरीर को निकालकर प्रलाप करते हुए ब्रह्माण्ड में घूमते रहे। उनके क्रोध व बेचैनी से सृष्टि खतरे में पड़ गई। जहां जहां सती के अंग गिरे वहां शक्तिपीठ की स्थापना हो गई। पिर भी शिव का संताप जारी रहा। तब श्री हरि ने सती के शरीर को भस्म में परिवर्तित कर दिया। शिव विरह की अग्नि में भस्म को ही उनकी अंतिम निशानी के तौर पर तन पर लगा लिया। पहले भगवान श्री हरि ने देवी सती के शरीर को छिन्न भिन्न कर दिया था। जहां जहां उनके अंग गिरे वहीं शक्तिपीठों की स्थापना हुई। लेकिन पुराणों में भस्म का विवरण भी मिलता है। भगवान शिव के तन पर भस्म रमाने का एक रहस्य यह भी है कि राख विरक्ति का प्रतीक है। भगवान शिव चूंकि बहुत ही लौकिक देव लगते हैं। कथाओं के माध्यम से उनका रहन-सहन एक आम सन्यासी सा लगता है। एक ऐसे ऋषि सा जो गृहस्थी का पालन करते हुए मोह माया से विरक्त रहते हैं और संदेश देते हैं कि अंत काल सब कुछ राख हो जाना है। एक रहस्य यह भी हो सकता है चूंकि भगवान शिव को विनाशक भी माना जाता है। ब्रह्मा जहां सृष्टि की निर्माण करते हैं तो विष्णु पालन-पोषण लेकिन जब सृष्टि में नकारात्मकता बढ़ जाती है तो भगवान शिव विध्वंस कर डालते हैं। विध्वंस यानि की समाप्ति और भस्म इसी अंत इसी विध्वंस की प्रतीक भी है। शिव हमेशा याद दिलाते रहते हैं कि पाप के रास्ते पर चलना छोड़ दें अन्यथा अंत में सब राख ही होगा।

महाकाल की भस्मार्ती

उज्जैन स्थित महाकालेश्वर की भस्मार्ती विश्व भर में प्रसिद्ध है। ऐसी मान्यता है कि वर्षों पहले श्मशान भस्म से भूतभावन भगवान महाकाल की भस्म आरती होती थी लेकिन अब यह परंपरा खत्म हो चुकी है और अब कंडे की भस्म से आरती-श्रृंगार किया जा रहा है। वर्तमान में महाकाल की भस्म आरती में कपिला गाय के गोबर से बने औषधियुक्त उपलों में शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर की लकड़ियों को जलाकर बनाई भस्म का प्रयोग किया जाता है। जलते कंडे में जड़ीबूटी और कपूर-गुगल की मात्रा इतनी डाली जाती है कि यह भस्म ना सिर्फ सेहत की दृष्टि से उपयुक्त होती है बल्कि स्वाद में भी लाजवाब हो जाती है। श्रौत, स्मार्त और लौकिक ऐसे तीन प्रकार की भस्म कही जाती है। श्रुति की विधि से यज्ञ किया हो वह भस्म श्रौत है, स्मृति की विधि से यज्ञ किया हो वह स्मार्त भस्म है तथा कण्डे को जलाकर भस्म तैयार की हो वह लौकिक भस्म है। शिव का शरीर पर भस्म लपेटने का दार्शनिक अर्थ यही है कि यह शरीर जिस पर हम घमंड करते हैं, जिसकी सुविधा और रक्षा के लिए ना जाने क्या-क्या करते हैं एक दिन इसी इस भस्म के समान हो जाएगा। शरीर क्षणभंगुर है और आत्मा अनंत। कई सन्यासी तथा नागा साधु पूरे शरीर पर भस्म लगाते हैं। यह भस्म उनके शरीर की कीटाणुओं से तो रक्षा करता ही है तथा सब रोम कूपों को ढंककर ठंड और गर्मी से भी राहत दिलाती है। रोम कूपों के ढंक जाने से शरीर की गर्मी बाहर नहीं निकल पाती इससे शीत का अहसास नहीं होता और गर्मी में शरीर की नमी बाहर नहीं होती। इससे गर्मी से रक्षा होती है। मच्छर, खटमल आदि जीव भी भस्म रमे शरीर से दूर रहते हैं।

कैसे हुई भीष्म पितामह की पराजय

महाभारत युद्ध के दसवें दिन भी भीष्म पितामह ने पांडवों की सेना में भयंकर मारकाट मचाई। यह देखकर युधिष्ठिर ने अर्जुन से भीष्म पितामह को रोकने के लिए कहा। अर्जुन शिखंडी को आगे करके भीष्म से युद्ध करने पहुंचे। शिखंडी को देखकर भीष्म ने अर्जुन पर बाण नहीं चलाए और अर्जुन अपने तीखे बाणों से भीष्म पितामह को बींधने लगे। इस प्रकार बाणों से छलनी होकर भीष्म पितामह सूर्यास्त के समय अपने रथ से गिर गए। उस समय उनका मस्तक पूर्व दिशा की ओर था। उन्होंने देखा कि इस समय सूर्य अभी दक्षिणायन में है, अभी मृत्यु का उचित समय नही हैं, इसलिए उन्होंने उस समय अपने प्राणों का त्याग नहीं किया।

युधिष्ठिर को दिया धर्म ज्ञान

महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर से कहा कि इस समय पितामह भीष्म बाणों की शैय्या पर हैं। आप उनके पास चलकर उनके चरणों को प्रणाम कीजिए और आपके मन में जितने भी संदेह हो, उनके बारे में पूछ लीजिए। श्रीकृष्ण की बात मानकर युधिष्ठिर भीष्म पितामह के पास गए और उनसे धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का ज्ञान प्राप्त किया। युधिष्ठिर को ज्ञान देने के बाद भीष्म पितामह ने उनसे कहा कि अब तुम जाकर न्यायपूर्वक शासन करो, जब सूर्य उत्तरायण हो जाए, उस समय फिर मेरे पास आना।

ऐसे त्यागे भीष्म पितामह ने अपने प्राण

जब सूर्यदेव उत्तरायण हो गए तब युधिष्ठिर सहित सभी लोग भीष्म पितामह के पास पहुंचे। उन्हें देखकर भीष्म पितामह ने कहा कि इन तीखे बाणों पर शयन करते हुए मुझे 58 दिन हो गए हैं। उन्होंने श्रीकृष्ण को संबोधित करते हुए कहा कि अब मैं प्राणों का त्याग करना चाहता हूं। ऐसा कहकर भीष्मजी कुछ देर तक चुपचाप रहे। इसके बाद वे मन सहित प्राणवायु को क्रमश : भिन्न-भिन्न धारणाओं में स्थापित करने लगे। भीष्मजी का प्राण उनके जिस अंग को त्यागकर ऊपर उठता था, उस अंग के बाण अपने आप निकल जाते और उनका घाव भी भर जाता। भीष्मजी ने अपने देह के सभी द्वारों को बंद करके प्राण को सब ओर से रोक लिया, इसलिए वह उनका मस्तक (ब्रह्म रंध्र) फोड़कर आकाश में चला गया। इस प्रकार महात्मा भीष्म के प्राण आकाश में विलीन हो गए।

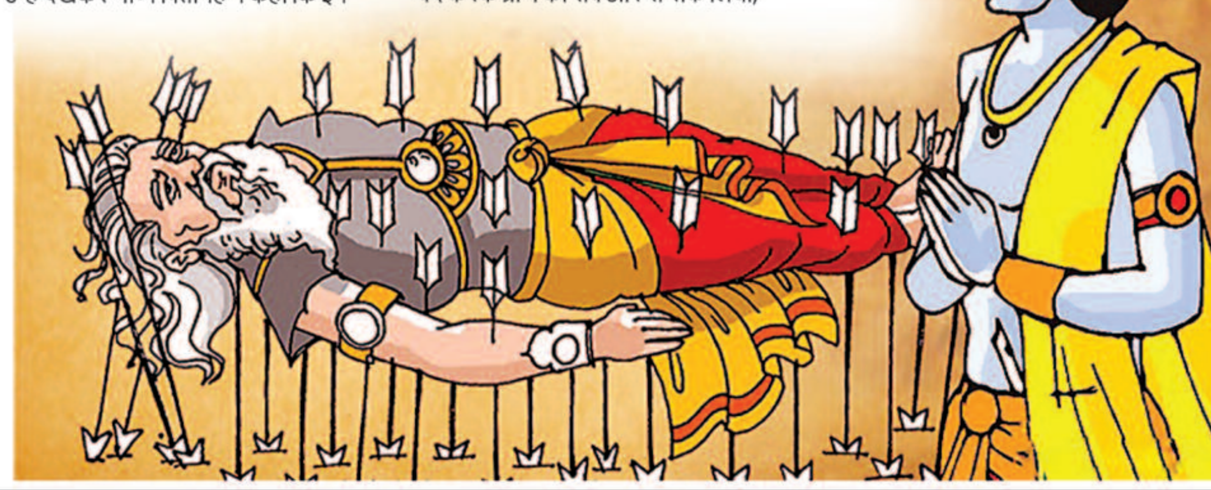

CMYK

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती साहू ने किया पीएम आवास योजना का समीक्षा

- संवाददाता -
सूरजपुर,29 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

वर्तमान में शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण है। जिसकी प्रत्येक स्तर से सतत् मॉनिटरिंग हो रही है।

कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देश एवम् सीईओ जिला पंचायत श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू के द्वारा निरंतर आवास योजना में प्रगति लाने के दृष्टिगत निगरानी रखी जा रही है।

इसी तारतम्य में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू ने जिला पंचायत के सभा कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की। जिसमें उन्होंने हाल ही में स्वीकृत 2024-25 के 20600 से अधिक आवासों से तत्काल संपर्क कर कार्य प्रारंभ कराने पर जोर दिया गया। इसमें प्रति हितग्राही 40000 प्रदाय किया गया है जिससे सामग्री क्रय कराते हुए, डोर लेवल तक का कार्य पूर्ण कराना है। हितग्राहियों से मुलाकात कर उनको निर्माण की जानकारी और उन्मुखीकरण जैसे कार्य कलस्टर बनाकर

करने है। ताकि हितग्राही राशि का दुरुपयोग या किसी के बहकावे में आकर राशि अन्यत्र खर्च ना कर दें। बड़ी संख्या में हितग्राहियों के खातों में पीएम आवास की राशि गई है, सभी को सामग्री तथा मेसन की उपलब्धता रहे, इसे समस्त जनपद सीईओ सुनिश्चित करेंगे।

विगत 2016-23 तक के 2320 आवास अभी भी पूर्णता के लिए लंबित है, जिस पर प्रगति ना होने से नाराजगी जाहिर की गई। सभी जनपद पंचायत में 2 अक्टूबर से आवास के गृहप्रवेश, भूमिपूजन, प्रमाण पत्र वितरण तथा हितग्राहियों को योजना की संपूर्ण जानकारी और योजना के प्रति जिले में सकारात्मक माहौल बनाकर,अविलंब आवासों को पूर्ण करने का कार्य करना है।

उक्त समीक्षा बैठक में जिला टीम, समस्त सीईओ जनपद पंचायत, समस्त एसडीओ आरईएस, समस्त पीओ नरेगा, तकनीकी सहायक मनरेगा, उप अभियंता व आवास की ब्लॉक टीम उपस्थित रही।

पुलिस ने अवैध कच्ची महुआ शराब बिक्री करने वाले सिंडिकेट पर की कार्रवाई

- संवाददाता -
कोरबा,29 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, अति. पुलिस अधीक्षक यूबीएस चैहान, नगर पुलिस अधीक्षक भुषण एक्का के मार्गदर्शन पर लगातार जुआ, सट्टा, आबकारी एवं नारकोटिक्स एक्ट की कार्यवाही हेतु निर्देशित करने के परिपालन में थाना प्रभारी उरगा प्रेमचंद साहू के नेतृत्व में उरगा पुलिस टीम के द्वारा लगातार कठोर कार्यवाही कि जा रही है। इसी क्रम में अवैध कच्ची महुआ शराब बना कर बिक्री करने वाले सिंडिकेट पर कार्यवाही करने में उरगा पुलिस कोरबा को सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 29.09.2024 को मुखबीर सूचना के आधार पर ग्राम चीतापाली, साजापानी एवं द्वारी में रेड की कार्यवाही की गई शराब निर्माण करने वाले 6 भट्ठी को ध्वस्त किया गया और 100 लीटर कच्ची महुआ शराब तथा शराब बनाने की सामग्री को जप्त कर धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी (1) शिव कुमार डे पिता विमल कुमार डे उम्र 54 वर्ष साकिन इमलिडग्गू कोरबा (2) सुरेश कुमार कँवर पिता पवन सिंह उम्र 32 वर्ष साकिन साजापानी को गिरफ्तार किया गया है, जिसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। ज्ञात हो कि पिछले वर्ष 619 प्रकरण में 7166 लीटर शराब जप्त की गई थी जो इस वर्ष आज दिनांक तक 508 प्रकरण में कुल 8102 लीटर शराब जप्त की गई है। अवैध कारोबार पर कोरबा पुलिस की कार्यवाही लगातार रहेगी जारी ।

एक दिवसीय जिला स्तरीय मेगा आधार शिविर का हुआ आयोजन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,29 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति के शत-प्रतिशत हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने लगातार प्रयास जारी है। इसी कड़ी में पहाड़ी कोरवा जनजाति के हितग्राहियों के आधार पंजीयन एवं अद्यतन कार्य हेतु लाइवलीहुड कॉलेज अम्बिकापुर में एक दिवसीय जिला स्तरीय मेगा आधार शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने स्वयं शिविर में पहुंचकर जायजा लिया तथा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शिविर में समस्त विकासखण्ड से पहाड़ी कोरवा जनजाति के कुल 230 हितग्राहियों को आधार कार्ड एनरोलमेन्ट एवं आधार- अपडेशन हेतु लाया गया। इस दौरान हितग्राहियों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु स्वास्थ्य विभाग की टीम भी उपस्थित रही।

एक बार फिर से हाथियों का दल जंगल से पहुँचा मुख्य मार्ग पर,वन विभाग ने राहगीरों को किया सतर्क

- संवाददाता -
कोरबा,29 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कटघोरा वनमंडल अंतर्गत केंदई रेंज के कोरबी सर्किल में बड़ी संख्या में हाथी एक बार फिर से गांव के समीप पहुंच गए हैं। 39 सदस्यीय इस दल में नर-मादा हाथियों के अलावा शावक भी शामिल है। हाथियों का यह दल आज प्रातः9.30 बजे के लगभग कोरबी चिरमिरी के मुख्यमार्ग पर पहुंच सडक़ पार किया। बड़ी संख्या में हाथियों के पहुंचने तथा सडक़ पार किये जाने की सूचना जैसे ही वन विभाग को दी गई , तत्काल वन अमला मौके पर पहुंच कर सडक़ के दोनों ओर आवागमन को रोक दिया गया। इस दौरान वाहनों की लंबी कतार मुख्य मार्ग के दोनों ओर लग गई। वहीं ग्रामीण भी बड़ी

संख्या में मौके पर पहुंच कर झुंड के साथ ही हाथियों की फोटो ग्राफी व रील बनाने में लग गए, जिसे स्टाफ ने समझा बुझाकर नियंत्रित किया। हाथियों ने सडक़ पार कर पुनः जंगल की ओर जाने के बाद आवागमन सामान्य हुआ और लोग अपने-अपने गतंव्य की ओर रवाना हुए। बताया जाता है कि पसान रेंज के सेमहरा क्षेत्र में मौजूद हाथियों का दल केंदई रेंज में आ गया है। यह दल पूर्व में यहां मौजूद हाथियों के साथ मिला और आज सुबह कोरबी में पोस्ट आफिस के निकट मुख्य मार्ग को पार किया और खुरूपारा जंगल पहुंच गया। हाथियों के दल ने रास्ते में पोड़ी खुर्द तथा कोरबी में बड़ी मात्रा में ग्रामीणों की फसल को भी रौंद दिया है।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस 01 अक्टूबर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का जिले में होगा आगमन

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कार्यक्रम स्थल में तैयारियों का किया अवलोकन

- संवाददाता -
सूरजपुर,29 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

1 अक्टूबर को स्टेडियम ग्राउंड सूरजपुर में संभाग स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का भव्य आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय अपनी उपस्थिति दर्ज करेंगें। इसके साथ ही कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े करेंगी। जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों को विभिन्न दायित्व सौंप गए हैं। इसके साथ ही कार्यस्थल में युध्दस्तर पर कार्यक्रम दिवस के लिए तैयारी की जा रही हैं। तैयारियों का जायजा लेने कार्यक्रम स्थल पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े भी पहुँची थीं। जहां उन्होंने कार्यक्रम स्थल का अवलोकन किया और सभी तैयारियां निर्धारित समय से पूर्व सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।इस अवसर पर बाबूलाल अग्रवाल , मुरली मनोहर सोनी , राजेश महलवाला , संदीप अग्रवाल , अजय अग्रवाल, अरविंद मिश्रा, शिवशंकर साहू, कृष्ण कुमार अग्रवाल , मनी बग्गा , संस्कार अग्रवाल, संदीप जायसवाल , रंजन सोनी तथा संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

पाचवें राष्ट्रीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक महोत्सव और कला उत्सव का ज़िला स्तरीय कार्यक्रम 2024-25

- संवाददाता -
ख़ड़गवां,29 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पोडीडीह में जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय जमथान, सोनहत व पोडीडीह के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया जिसमे से 59 छात्र छात्राओं का संभाग स्तरीय में चयन हुआ छात्र छात्राओं को एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय से बतौली के शिवपुर ले जाएंगये 26 /09/24 को संभाग स्तर में अपनी प्रदर्शन देंगे कार्यक्रम में संस्था के प्राचार्य

मनीष सिंह एसएमडीसी अध्यक्ष मुकेश जयसवाल,कार्यक्रम के निर्णायक सदस्य डेगमन रजवाड़े ,शिवनारायणसिंह, गुलाब पैकरा मौजूद रहें। सम्पूर्ण कार्यक्रम का मंच संचालन श्रवण गुरु जी के द्वारा किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी कृष्णा मैम की देखरेख में हुआ। एवम विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षको व अन्य कर्मचारी का सराहनीय योगदान रहा।

न्यायाधीश सहित न्यायालयीन अधिकारी,कर्मचारी एवं अधिवक्ताओं द्वारा की गई साफ-सफाई

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 29 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के निर्देशानुसार स्वच्छ भारत अभियान के तहत जिला एवं सत्र न्यायाधीश सरगुजा श्री राम कुमार तिवारी प्रधान के मार्गदर्शन में रविवार 29 सितंबर को जिला न्यायालय परिसर अंबिकापुर में साफ-सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह अभियान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती 02 अक्टूबर को संपन्न होगा, जिसमें स्वच्छता के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया जाएगा।

जिला न्यायालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री तिवारी के नेतृत्व में अन्य न्यायाधीशगण श्री मनोज कुमार सिंह ठाकुर, श्रीमती ममता पटेल, श्री कमलेश जगदल्ला श्रीमती उर्मिला गुप्ता, श्री सुमित कपूर, श्रीमती मोनिका जायसवाल, श्री मुकेश कुमार तिवारी, श्री अमित जिंदल तथा श्री गौरांगों सिंह, शासकीय लोक अभियोजक सरगुजा, श्री हेमंत कुमार तिवारी, अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ सरगुजा व अन्य अधिवक्तागण, न्यायालयीन अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा न्यायालय परिसर, न्यायालय कक्ष, अनुभाग की साफ-सफाई की गई। प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा कार्यक्रम में सम्मिलित सभी को स्वच्छता बनाये रखने के लिए अपने आसपास में निरंतर साफ-सफाई करते रहने के लिए जागरूक व प्रेरित किया गया। सफाई अभियान के दौरान प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा परिसर का निरीक्षण करते हुये परिसर के नियमित सफाई किये जाने हेतु संबंधितों को आवश्यक निर्देश भी दिये गये।

मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी ने फरसाबहार के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

» डाक्टरों को अपने मुख्यालय में रहने के दिए सख्त निर्देश

- संवाददाता -
जशपुरनगर,29 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आम लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी . एस. जात्रा द्वारा जिले के स्वास्थ्य केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली जा रही है। विगत दिवस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरसाबहार में मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी ने डाक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों की समीक्षा बैठक ली

उन्होंने लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में विभागीय विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का समीक्षा किया गया जिसमें न्यूनतम प्रगति वाले केंद्र के कर्मचारियों को सख्त हिदायत देते हुए निश्चित समय में लक्ष्य पूर्ति हेतु सजग रहने के निर्देश दिए । इसके के साथ ही राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम पर विस्तृत जानकारी देते हुए प्रति हजार जनसंख्या में 30 लोगों का सेंपल टेस्ट करने के लिए कहा गया । मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी ने उपस्थित सभी कर्मचारियों को लक्ष्य अनुरूप

गर्भवती पंजीयन संस्थागत प्रसव और राष्ट्रीय टीकाकरण पर गंभीरता पूर्वक सजगता से कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। उपस्थित सभी महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को परिवार नियोजन संबंधी आवश्यक सेवाओं को लोगों तक जानकारी देने एवं लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए गए। श्री गनपत नायक, जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा निर्देश दिया गया कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी मुख्यालय निवास करते हुए समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रम एनसीडी व केंद्र प्रसव लक्ष्य अनुरूप समय पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

डॉ0 विनय कुमार भगत खण्ड चिकित्सा अधिकारी, एवं सुशील टोप्पो, बीपीएम एवं सभी सेक्टर इंचार्ज को सीआरएम टीम के आने के पहले, सीएचसी,समस्त पीएचसी, एसएचसी को मानक अनुसार समस्त दवाइयां, संस्था की साफ-सफाई रखने का निर्देश दिया गया। और सभी निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरसाबहार का जन औषधि केंद्र एक्स-रे कक्ष, लैब का निरीक्षण करते हुवे शिशु माताओं से चर्चा कर मिलने वाली योजनाओं की जानकारी ली गई ।

आयुष्मान भारत विषय पर बच्चों के लिए निबंध प्रतियोगिता आयोजित

- संवाददाता -
जशपुरनगर,29 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोदाम के द्वारा विगत दिवस सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल के बच्चों के लिए आयुष्मान निबंध प्रतियोगिता आयोजित किया गया। जिसमें कक्षा 7वी एवं कक्षा 8वी के बच्चों ने हिस्सा लिया।

सभी बच्चे उत्साह से निबंध प्रतियोगिता में शामिल हुए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुमन भगत, द्वितीय स्थान मो. मुनीर एवं तृतीय स्थान सुप्रज्ञा सिंह ने प्राप्त किया। इस गतिविधि के लिए शिक्षकों ने भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विश्व विजय के लिए तैयार हैं भारत की बेटियां

» स्मृति की बैटिंग-हरमनप्रीत की कप्तानी

» टी 20 वर्ल्ड कप में सभी टीमों पर पड़ेगी भारी

नई दिल्ली,29 सितंबर 2024। अंग्रेजों से भारत को आजादी दिलाने में रानी लक्ष्मीबाई, सरोजिनी नायडू, दुर्गा भाभी और बेगम हजरत महल ने अहम भूमिका निभाई। इसके बाद जब भारत आजाद हुआ, तो देवी दुर्गा का रूप कही जाने वाली भारतीय महिलाओं ने हर क्षेत्र में हिंदुस्तान को आगे बढ़ाया। राजनीति, शिक्षा, विज्ञान और खेल सभी फील्ड में महिलाओं ने पुरुषों से कदम-ताल मिलाकर देश का परचम पूरी दुनिया में लहराया। अब खेल की दुनिया में भी भारतीय महिला प्लेयर्स झंडे गाड़ने के लिए तैयार हैं। क्रिकेट के महाकुंभ महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 की शुरुआत अक्टूबर में यूएई की धरती पर होने जा रही है। इसमें लोहा मनवाने के लिए भारतीय महिला प्लेयर्स ने कमर कस ली है और पूरा विश्व भारतीय प्लेयर्स की ताकत और जज्बे को देखने के लिए तैयार है। भारतवासी उस पल के लिए पलकें बिछाए तैयार बैठे हैं। जब भारतीय महिला टीम पहली बार टी 20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी जीतकर घर लौटे।

महिला टी 20 वर्ल्ड कप में भारत के पास मजबूत बल्लेबाजी लाइन-अप

टी 20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय बल्लेबाजी काफी हद तक स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर, शेफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिगेज पर टिकी हुई है। दुनिया के किसी भी बॉलिंग लाइन अप को इनसे पार पाना आसान नहीं होगा। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए ओपनिंग की जिम्मेदारी मंधाना और शेफाली की जोड़ी संभालती हुए नजर आएगी। ये दोनों ही प्लेयर्स अपना दिन होने पर किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर सकती हैं। पहले भी इन दोनों ने अपने दम पर टीम इंडिया को कई मैचों में जीत दिलाई है। शेफाली अभी सिर्फ 20 साल की हैं और उनकी कप्तानी में भारतीय महिला टीम टी20 अंडर-19 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी अपने नाम कर चुकी है। वह टी 20 इंटरनेशनल करियर में 1948 रन बना चुकी हैं, जिसमें 10 अर्धशतक शामिल हैं।

इनका साथ देने के लिए टीम में कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिगेज जैसी सुपरस्टार प्लेयर्स भी रन बनाने के लिए मौजूद हैं। भारत की मजबूत बल्लेबाजी के ताज में हरमनप्रीत और मंधाना जैसी प्लेयर्स उस हीरे की तरह हैं, जिनका बल्ला जब चलता है, तो टीम इंडिया की जीत पक्की होती है। जेमिमा चंद गेंदों में ही मैच का रुख बदलने में माहिर हैं। उनकी सबसे खास बात ये है कि वह जरूरत पड़ने पर मैच के अनुसार तेज भी खेल सकती हैं और पारी को भी चला सकती हैं। मिडिल ऑर्डर में वह बैटिंग की धुरी हैं। उन्होंने भारत के लिए टी20 इंटरनेशनल करियर में 2074 रन बनाए हैं।

दीप्ति शर्मा पर सबसे अधिक जिम्मेदारी

ऑलराउंडर के तौर पर दीप्ति शर्मा को स्क्वाड में जगह मिली है,जो गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों से ही टीम को मैच जिताने की काबिलियत रखती हैं। गेंदबाजी डिपार्टमेंट में पूजा वस्त्राकर और रेणुका सिंह जैसी अनुभवी प्लेयर्स को चांस मिला है। इन प्लेयर्स की सटीक लाइन और लेंथ विरोधी टीमों के लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। स्पिन विभाग की जिम्मेदारी राधा यादव,आशा शोभना और युवा श्रेयंका पाटिल को दी गई है। श्रेयंका ने पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन किया है। बहुत ही कम समय में उन्होंने अपना एक अलग मुकाम बनाया है।

ट्रेनिंग कैंप में भारतीय प्लेयर्स ने कमजोर क्षेत्रों पर किया काम

महिला एशिया कप 2024 में भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन किया था और फाइनल से पहले टीम एक भी मुकाबला नहीं हारी थी। फाइनल में टीम को श्रीलंका के खिलाफ 8 विकेट से हार झेलनी पड़ी। एशिया कप के बाद से भारतीय महिला टीम एक भी मुकाबला नहीं खेली है। लेकिन भारतीय टीम ने ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा लिया। जहां प्लेयर्स ने फिटनेस और फील्डिंग पर खासा जोर दिया। फील्डिंग की प्लेयर्स ने खास प्रैक्टिस की थी। खराब फील्डिंग को लेकर पहले भी टीम इंडिया की कई बार आलोचना होती रही है।

संक्षिप्त खेल की खबरें

भारतीय निशानेबाजों ने दो स्वर्ण के साथ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप अभियान की शुरुआत की

लीमा,29 सितंबर 2024। भारतीय निशानेबाजों ने पेरू की राजधानी में अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) जूनियर विश्व चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल/शॉटगन अभियान की शुरुआत पुरुषों और महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में दो टीम स्वर्ण के साथ की। दो स्वर्ण पदकों के साथ भारत ने प्रतियोगिता के पहले दिन पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसमें रोमानिया और चीनी ताइपे ने दो व्यक्तिगत स्वर्ण जीते, जबकि पांच अन्य देशों ने भी उस दिन पदक जीते। उमेश चौधरी, प्रद्युम्न सिंह और मुकेश नेलावल्ली की जूनियर पुरुष तिकड़ी ने 1726 अंकों के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल की पुरुष टीम प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान हासिल करके भारत को पहले स्थान पर पहुंचा दिया।

जीत के बाद प्रतिद्वंद्वी के चेहरे पर ट्वर्किंग करती दिखीं यूएफसी फाइटर ऐलिन पेरेज

पेरिस,29 सितंबर 2024। अर्जेंटीना की यूएफ सी फाइटर एलिन पेरेज़ का यूएफ सी पेरिस में अपने मुकाबले के दौरान दरिया जेलेज़्न्याकोवा को हराने के बाद का हाव-भाव वायरल हो गया है। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में पेरेज़ को अपने प्रतिद्वंद्वी के चेहरे पर थिरकते हुए देखा गया और उन्होंने अपनी लड़ाई के बाद ऐसा करने के पीछे का कारण भी बताया। एरियल हेलवानी ने एक्स पर उसी की एक क्लिप पोस्ट की थी, जब वे प्रशंसकों के एक वर्ग में शामिल हुए और इस हाव-भाव को अपमानजनक बताया।

सनथ जयसूर्या की कोचिंग में श्रीलंका क्रिकेट टीम के नए युग की शुरुआत

नई दिल्ली,29 सितंबर 2024। श्रीलंका क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को घरेलू टेस्ट सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर दिया है। श्रीलंका क्रिकेट टीम ने पहले टेस्ट में कीवी टीम को 63 रनों से हराने के बाद दूसरे टेस्ट में एक पारी और 154 रनों की जीत हासिल की। इसके साथ ही श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को 15 साल बार टेस्ट सीरीज में मात दी है। श्रीलंकाई टीम का यह प्रदर्शन पिछले कुछ समय से कमाल की निरंतरता दिखा रहा है। जब से श्रीलंका के पूर्व ओपनर और दिग्गज बाएं हाथ के बल्लेबाज सनथ जयसूर्या ने अपनी टीम की कोचिंग की कमान संभाली है, तब से टीम का प्रदर्शन शानदार रहा है। श्रीलंका ने इस दौरान भारत को वनडे सीरीज में हराया, उसके बाद इंग्लैंड को उसकी ही धरती पर टेस्ट मैच में मात दी और अब न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीत ली है।

ताजा मैच में कामिंदु मेंडिस को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिला है। उन्होंने पहली पारी में शानदार 182 रन बनाए थे। इसके अलावा बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज प्रभात जयसूर्या को प्लेयर ऑफ द सीरीज दिया गया है।

सनथ जयसूर्या ने अपनी बैटिंग के दौरान जिस तरह से क्रिकेट की दुनिया में नए मानक स्थापित किए थे, उसी तरह से उनकी कोचिंग में श्रीलंकाई क्रिकेट के एक नए युग की शुरुआत दिखाई दे रही है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने जयसूर्या का अनुबंध एक और साल के लिए बढ़ा दिया है।

मौजूदा जीत के बाद श्रीलंका क्रिकेट टीम 55.56 प्रतिशत पीसीटी के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। इस तालिका में 71.67 पीसीटी के साथ भारत नंबर एक पर है। ऑस्ट्रेलिया की टीम 62.50 पीसीटी के साथ नंबर दो पर है। भारत ने अभी तक दोनों विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेले हैं।

दूसरी ओर न्यूजीलैंड के नाम भी एक अनचाहा रिकॉर्ड जुड़ गया है। यह टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में अब तक एक भी बार विदेशी धरती पर टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाई है। यह हैरान करने वाला तथ्य है क्योंकि न्यूजीलैंड पहली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को जीत चुका है।

सिर्फ 4 करोड़ रुपये में रिटेन होंगे एमएस धोनी

नई दिल्ली, 29 सितंबर 2024। पिछले काफी वक्त से चर्चा चल रही थी कि आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन से पहले चेन्नई सुपर किंग्स एमएस धोनी को रिटेन करेगी या नहीं? अब जबकि बीसीसीआई ने रिटेंशन नियमों का ऐलान कर दिया है, तो उसके बाद ये कहना गलत नही होगा कि धोनी का रिटेन होना तय है। हालांकि, इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि रिटेन होने पर एमएस की सैलरी काफी कम होने वाली है।

टीम इंडिया की नई रफ्तार मयंक यादव?

नई दिल्ली,29 सितंबर 2024। आईपीएल 2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए डेब्यू, महज 3-4 मैच खेला और चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गया। मगर, इन चंद मौकों में वो लड़का दो बार मैन ऑफ द मैच बना और आईपीएल हिस्ट्री के स्पीड मास्टर में अपना नाम दर्ज करा गया। इम्पैक्ट ऐसा कि पूरी दुनिया उसकी फैन बन गई। नाम है-मयंक यादव। हालांकि, अनफिट होने के कारण पिछले कुछ महीने ये खिलाड़ी गायब था लेकिन अब समय आ गया है उसके कमबैक का।

बीसीसीआई ने बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम इंडिया का ऐलान किया। खिलाड़ियों के नाम सामने आते ही एक ऐसा चेहरा एक बार फिर सुर्खियों में आया, जो आईपीएल में अपनी रफ्तार से गदर मचाने के बाद गायब था। आईपीएल 2024 में डेब्यू करते हुए मयंक यादव ने सुर्खियां बटोरी थीं और अब वो बांग्लादेश के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय टी20 डेब्यू के बेहद करीब है।

22 साल का यह तेज गेंदबाज 153 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी करने का माद्दा रखता है। बड़े-बड़े दिग्गज इसके प्रदर्शन से मंत्रमुग्ध थे। यहां तक कि इसकी तुलना शोएब अख्तर जैसे खूंखार गेंदबाज से होने लगी है। रफ्तार के साथ उनके पास बोनस में अच्छी लाइन लेंथ, वेरिएशन और सटीक यॉर्कर भी है जो उनकी गेंदबाजी को मजबूत करते हैं।

आईपीएल 2024 में मयंक यादव ने मात्र तीन मैच खेले और चौथे मैच में चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए। लेकिन चंद मैचों में वो बीसीसीआई और टीम चयनकर्ता की नजरों में छा गए। हालांकि, चोटिल होने के कारण उन्हें मौका नहीं मिला था। मगर, अब उन्हें टी20 फॉर्मेट के लिए हरी झंडी दे दी गई।

तेज गेंदबाज मयंक यादव को पहली बार भारत की टीम में शामिल किया गया है। उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैच की टी20 सीरीज के लिए टीम में चुना गया है। सीरीज 6 अक्टूबर से ग्वालियर में शुरू होगी।

चंद मैचों में इस युवा तेज गेंदबाज ने क्रिकेट जगत में अपनी पहचान बना ली है। कई क्रिकेट दिग्गज मयंक को लेकर भविष्यवाणी कर चुके हैं कि आने वाले समय में वह भारतीय गेंदबाजी की सबसे बड़ी ताकत होगा।

रिटेंशन नियमों का बीसीसीआई ने किया ऐलान

» इस शर्त के साथ 6 प्लेयर्स रिटेन कर सकती हैं टीमें

नई दिल्ली, 29 सितंबर 2024। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन से पहले बीसीसीआई ने सस्पेंस खत्म करते हुए रिटेंशन नियमों की घोषणा कर दी है। फ्रेंचाइजियों ने बोर्ड से अपील की थी कि रिटेन किए जाने वाले प्लेयर्स की संख्या बढ़ाई जाए और बोर्ड ने टीमों की बात मान ली है और संख्या को बढ़ा दिया है। अब एक टीम मेगा ऑक्शन से पहले 4 नहीं बल्कि 6 प्लेयर्स को रिटेन कर सकती है।

आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन को लेकर एक्साइटमेंट अब और बढ़ गया है। बीसीसीआई ने शनिवार की रात को अपकमिंग मेगा ऑक्शन के रिटेंशन नियमों की घोषणा कर दी है. इसके मुताबिक, आईपीएल फ्रेंचाइजी अपनी मौजूदा टीम से कुल 6 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं. यह या तो रिटेंशन के माध्यम से या राइट टू मैच यानि आरटीएम का इस्तेमाल करके हो सकता है।

एक टीम 6 प्लेयर्स को आईपीएल 2025 से पहले रिटेन कर सकती है। इनमें अधिकतम 5 कैप्ड खिलाड़ी (भारतीय और विदेशी) और अधिकतम 2 अनकैप्ड खिलाड़ी हो सकते हैं। यानि हर टीम को कम से कम एक अनकैप्ड प्लेयर रिटेन करना होगा, ये युवा खिलाड़ियों के लिए काफी अच्छी बात है।

मोहम्मद यूसुफ ने पीसीबी चयनकर्ता के पद से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली,29 सितंबर 2024। बांग्लादेश से टेस्ट सीरीज में 2-0 की हार के कुछ दिनों बाद, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चयनकर्ता मोहम्मद यूसुफ ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यूसुफ हाल ही में हुए टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान की टीम चुनने वाले चयन पैनल का हिस्सा थे, जहां टीम ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाई थी। उन्हें मार्च 2024 में पीसीबी द्वारा चयनकर्ता के रूप में नियुक्त किया गया था, और टी20 विश्व कप में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद तीखी आलोचना के बावजूद, उन्हें इस भूमिका में बनाए रखा गया था।

ऋषि कपूर और सलीम-जावेद की दुश्मनी

बर्बाद करने की दी धमकी-जैसे राजेश खन्ना के साथ किया,तुम्हारे साथ भी करेंगे

दिवंगत एक्टर राजेश खन्ना आज भले ही इस दुनिया में नहीं हैं,लेकिन उनसे जुड़ी तमाम यादें हैं, जिनका जिक्र अक्सर होता रहता है। उन्होंने एक्टिंग करियर की शुरुआत लगभग उसी समय की थी, जब राइटर्स की जोड़ी सलीम खान-जावेद अख्तर भी अपने पैर इंडस्ट्री में जमा रहे थे। कई मौकों पर उनके विचार आपस में नहीं मिलते थे। बात तब बढ़ गई, जब ऋषि ने उनकी लिखी एक फिल्म में काम करने से मना कर दिया। फिल्म का ऑफर ठुकराने से सलीम खान बेहद नाराज हो गए थे। एक तरफ उनकी पहली मूवी बॉबी ब्लॉबस्टर रही तो दूसरी तरफ जावेद अख्तर भी खफा हो गए।

ऋषि कपूर ने अपनी ऑटोबायोग्राफी खुल्लम खुल्ला में उस धमकी को याद किया, जो एक बार सलीम खान ने उन्हें दी थी। उन्होंने उनकी फिल्म त्रिशुल का ऑफर ठुकरा दिया था।

ऋषि पर झल्ला उठे थे सलीम साहब

ऋषि कपूर अपनी किताब में लिखते हैं कि फिल्म ठुकराई तो सलीम-जावेद झल्ला उठे। जब वे मुंबई के एक होटल में सलीम से मिले ते दुश्मनी बढ़ गई। उन्होंने लिखा, मैं स्नूकर खेल रहा था, जब सलीम साहब मेरे पास आए और मुझसे कहा, तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई सलीम-जावेद को मना करने की? मैं डरने वाला नहीं था। मैंने भी जवाब दिया, मुझे रोल पसंद नहीं आया।

राजेश खन्ना से लिया था बदला?

ऋषि ने याद किया कि सलीम खान ने अमिताभ बच्चन को लॉन्च करने के बारे में शेखी बघारी और ऐसा दिखाया जैसे कि ये राजेश खन्ना से बदला लेने के लिए किया गया था, क्योंकि उन्होंने भी एक बार सलीम-जावेद को रिजेक्ट किया था।

अमिताभ के कारण राजेश खन्ना का करियर बर्बाद

अमिताभ के आने से राजेश खन्ना के करियर को झटका लगा था। उनका स्टारडम तक खत्म हो गया था। ऋषि ने आगे लिखा, सलीम साहब ने मुझसे शेखी बघारी, क्या आप जानते हैं कि आज तक किसी ने हमें मना नहीं किया है? हम आपका करियर बर्बाद कर सकते हैं।

हम तुम्हारे साथ भी ऐसा करेंगे

जब ऋषि ने सलीम खान से पूछा कि उनके मन में क्या है, तो लेखक ने कहा, तुम्हारे साथ कौन काम करेगा? तुम्हें पता है, हमने राजेश खन्ना को जंजीर ऑफर की थी और उन्होंने हमें ठुकरा दिया। हमने उनके साथ कुछ नहीं किया, लेकिन हमने उनका विकल्प तैयार किया, अमिताभ बच्चन नाम का एक हीरो, जिसने राजेश खन्ना को बर्बाद कर दिया। हम तुम्हारे साथ भी ऐसा ही करेंगे। ऋषि ने लिखा कि ये विवाद आगे नहीं बढ़ा।

सलीम-जावेद पर बनी सीरीज

सलीम-जावेद की जोड़ी पर प्राइम वीडियो की डॉक्युमेंट्री सीरीज एंग्री यंग मेन में उनके जर्नी को दिखाया गया है। कैसे 70 के दशक में ये जोड़ी इंडस्ट्री में छा गई थी। ताबड़तोड़ हिट फिल्में दीं, लेकिन 1980 में इनकी जोड़ी टूट गए।

जब गोविंदा ने शराब पीने के लिए मां को फोन करके मांगी परमिशन

फिर जो हुआ... एक हफ्ते तक रहा था हैं गओवर

गोविंदा और सुनीता आहूजा की शादी को चार दशक हो चुके हैं। दोनों ने कई मौकों पर अपनी शादीशुदा जिंदगी और रिश्ते पर बात की है। एक-दूसरे के बारे में कई मजेदार खुलासे भी किए हैं। गोविंदा और सुनीता का रिलेशनशिप तब शुरू हुआ था, जब एक्टर स्ट्रगल कर रहे थे। वह मां के लाडले भी थे। सुनीता ने बताया था कि गोविंदा इस कदर आज्ञाकारी थे कि जब उन्होंने साथ में शैंपेन पीने का फैसला किया, तो पहले मां को फोन करके परमिशन ली थी।

सुनीता आहूजा ने यह खुलासा सिमी ग्रेवाल के टॉक शो में किया था। करीब 20 साल पहले जब गोविंदा और सुनीता दोनों सिमी ग्रेवाल के शो में शामिल हुए, तो कई मजेदार किस्से सुनाए। सुनीता ने अपनी सास यानी गोविंदा की मां के बारे में भी बात की थी।

क्या गोविंदा रोमांटिक हैं? पत्नी सुनीता ने सुनाया किस्सा

सुनीता से जब पूछा गया कि क्या गोविंदा रोमांटिक हैं, तो उन्होंने कहा था, कभी कभी। हमने ताज में पहली बार शैंपेन पी। हम साथ में कैंडल लाइट डिनर करना चाहते थे। मैंने अपनी सास को नहीं बताया और इन्होंने भी मां को इस बारे में नहीं बताया। मैंने तभी कहा कि चलो आज शैंपेन पीते हैं।

मम्मी को फोन करके पूछा मैं ड्रिंक कर लूं?

सुनीता ने आगे बताया, तभी गोविंदा ने मम्मी को फोन कर दिया और पूछा कि क्या मैं ड्रिंक कर सकता हूं? यह सुनकर मां ने कहा कि तुम पीना चाहते हो? ये गंदी आदतें होती हैं। लेकिन तुम इंजॉय करना चाहते हो, तो पी लो।

सुनीता ने बताया- एक हफ्ते तक रहा हैंगओवर

गोविंदा ने बताया था कि जब फोन करने के बाद वह वापस सुनीता के पास लौटे, तो उन्होंने ऐसे लुक्स दिए, जैसे चिढ़ाकर पूछ रही हों कि मिल गई परमिशन? सुनीता ने फिर बताया कि इसके बाद उन्होंने और गोविंदा ने खूब डांस किया और एक हफ्ते में हैंगओवर गया।

गोविंदा-सुनीता ने छुपकर की थी शादी

गोविंदा जब स्ट्रगल कर रहे थे तो अपने अंकल के घर रहते थे, और उसी दौरान वह सुनीता से मिले थे। दोनों ने तीन साल तक एक-दूसरे को डेट किया और फिर साल 1987 में गुपचुप शादी कर ली। उनका एक बेटा और एक बेटी हैं।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

छत्तीसगढ़ में नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स को मिलेगी रफ्तार

सीएम विष्णुदेव साय और नितिन गडकरी की अहम बैठक आज

रायपुर,29 सितम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 30 सितंबर को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में होने वाली एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य में चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं (नेशनल हाईवे) की प्रगति पर गहन चर्चा होगी। बैठक में उपमुख्यमंत्री अरुण साव और राज्य के लोक निर्माण विभाग, राजस्व, खनन और वन विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। बैठक का उद्देश्य छत्तीसगढ़ में चल रहे राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करना है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने हमेशा इन परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन में पूरा सहयोग दिया है, लेकिन कुछ परियोजनाएं विभिन्न अवरोधों के कारण धीमी गति से चल रही हैं। इस बैठक के जरिए इन रुकावटों को दूर करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

सांसद ने भूपेश बघेल को दी नसीहत

प्रोफेसर पर हमला मामले में बड़ा बयान

दुर्ग,29 सितम्बर 2024 (ए)। भिलाई 3 कॉलेज के प्रोफेसर विनोद शर्मा की पिटाई के मामले में पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। मामले में अब पुलिस ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य के बाद अब बेटी दीप्ति का भी मोबाइल जब्त कर लिया है। बताया जा रहा है कि दोनों के मोबाइल की जांच की जा रही है। वहीं, अब इस मामले में सांसद विजय बघेल का बड़ा बयान सामने आया है। सांसद विजय बघेल ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रोफेसर मारपीट मामले में सुराग मिला हुआ है, जिसके आधार पर पुलिस जांच कर रही है। सुराग के आधार पर ही पुलिस भूपेश बघेल के बेटे-बेटी से पूछताछ कर रही है। उन्होंने पूर्व सीएम भूपेश बघेल को नसीहत देते हुए कहा कि पहले खुद के गिरेबान में झांककर देख लेना चाहिए। बता दें कि चैतन्य और दीप्ति बघेल से पूछताछ को लेकर भूपेश बघेल ने प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया था।

हॉस्पिटल में रक्षक बने भक्षक, दहशत में मरीज के परिजन

कोरबा,29 सितम्बर 2024(ए)। जिले के मेडिकल कॉलेज में एक और शर्मनाक घटना सामने आई है, जहां सुरक्षा पर तैनात निजी कंपनी के सुरक्षाकर्मियों ने मरीज के परिजनों के साथ मारपीट की। घटना के अनुसार, अस्पताल के सुरक्षा कर्मचारियों ने रामसागरपारा निवासी एक युवक से बदसलूकी कर उसे बाहर निकाल दिया। जब मामला बढ़ा तो सुरक्षाकर्मी युवक को पुलिस के हवाले करने के बजाय खुद ही उसे पीटने लगे और पुलिस को इस घटना की सूचना भी नहीं दी। बता दें कि इस मारपीट में युवक को चोटें आई और वह अस्पताल परिसर के बाहर रात भर पड़ा रहा। यह पहली बार नहीं है जब जिला मेडिकल कॉलेज में सुरक्षा कर्मियों की ओर से मारपीट की घटनाएं हुई हैं। इससे पहले भी ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जो अस्पताल में सुरक्षा की जिम्मेदारी पर सवाल उठाते हैं।

छात्र के अपहरण से मचा हड़कंप

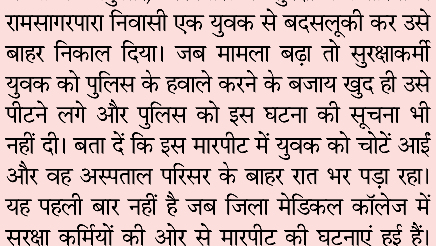

महासमुंद,29 सितम्बर 2024 (ए)। जिले के बागबाहरा थाना क्षेत्र में शासकीय प्राथमिक शाला बिहाझर से दूसरी के छात्र पुष्पेन्द्र ठाकुर के लापता होने से इलाके में हड़कंप मच गया है। छात्र के परिजनों ने बागबाहरा थाने में अपहरण का मामला दर्ज कराया है. पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपहरण की धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर छात्र की पतासाजी में जुटी है। छात्र के दादा सोनू ठाकुर ने मीडिया को बताया कि स्कूल के लोगों ने जानकारी दी कि बच्चा स्कूल में पढ़ रहा था। एक महिला आई और बच्चे को लेकर चली गई। उनके बताए अनुसार बागबाहरा थाने में मामला दर्ज करा दिया हूं।

सीएम चुने गए छत्तीगढ़ ओलंपिक संघ के अध्यक्ष

» छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ की नई कार्यकारिणी...

» ब्रजमोहन अग्रवाल बने उपाध्यक्ष...

» सीएम ने कहा...नई जिम्मेदारी के लिए आभार

» बोले...हमारी सरकार खेलों के बढ़ावा देगी...

रायपुर,29 सितम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ की कार्यकारिणी का गठन कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को संघ का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। रविवार को रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में आयोजित छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ की विशेष आमसभा की बैठक में सर्वसम्मति से यह फैसला लिया गया है। रिटर्निंग ऑफिसर ने सीएम के निर्विरोध चुने जाने की घोषणा की। बता दें कि इससे पहले यह जिम्मेदारी भूपेश बघेल के पास थी। छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ का अध्यक्ष राज्य का पदेन मुख्यमंत्री होता है।

सीएम ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा

आज राजधानी के न्यू सर्किट हाउस में आयोजित छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ की विशेष बैठक में शामिल हुआ। बैठक में ओलम्पिक संघ के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में मुझे नई जिम्मेदारी मिली। छत्तीसगढ़ में खेलों को नया आयाम देने के लिए हम सब मिलकर टीम भावना के साथ काम करेंगे। साथ ही खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। राज्य में खेलों के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ अधोसंरचना के विकास और खिलाड़ियों के हित में हमारी सरकार द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है।

साथ में उपाध्यक्ष भी चुने गए

छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ की विशेष आमसभा में उपाध्यक्ष भी चुने गए हैं। मंत्री केदार कश्यप, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, दुर्ग लोकसभा सीट से सांसद विजय बघेल समेत 10 लोग छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष बनाया गया है। सभी उपाध्यक्ष निर्विरोध चुने गए हैं। राज्य ओलंपिक संघ का अध्यक्ष चुने जाने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सभी पदाधिकारियों को बधाई दी और आभार प्रकट किया और कहा टीम भावना के साथ करेंगे काम।

इन्हें भी मिली जिम्मेदारी

महासचिव- विक्रम सिंह सिसोदिया
कोषाध्यक्ष- संजय मिश्रा
उपाध्यक्षः बृजमोहन अग्रवाल, विजय बंघेल, केदार कश्यप, सुनील कुमार अग्रवाल, गजराज पगारिया, हिमांशु द्विवेदी, शरद शुक्ला, संजय पिल्लै, कैलाश मुरारका, आरके श्रीवास्तव।
संयुक्त सचिवः मो. अकरम खान, सहीराम जाखड़, प्रशांत सिंह रघुवंशी, समीर खान, अरुण द्विवेदी, उज्जवल दीपक, मनीष श्रीवास्तव, आर राजेंद्रन।
कार्यकारिणी सदस्यः अवतार जुनेजा, अतुल शुक्ला, प्रामोद ठाकुर, विनय बैसवाड़े, मोहन लाल, थामस फिलिप, रामपुरी गोस्वामी, आशीष यादव।

इस विशेष कार्यक्रम में सासंद ब्रजमोहन अग्रवाल भी रहे मौजूद

इस कार्यक्रम में सांसद ब्रजमोहन अग्रवाल भी मौजूद थे। उन्हें छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस मौके पर सांसद ने कहा- खिलाड़ी हमारे लिए एंबेसडर होते हैं। खिलाड़ी राज्य को नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर पहचान दिलाते हैं। छत्तीसगढ़ ओलिंपिंक संघ के संयुक्त सचिव के लिए श्रीराम जाखड़, , आर राजेंद्रन, अकरम खान, मनीष श्रीवास्तव, प्रशांत सिंह रघुवंशी, मनोज अग्रवाल और समीर खान को चुना गया है। संजय मिश्रा संघ के कोषाध्यक्ष होंगे। कार्यसमिति के 12 सदस्यों का चुनाव भी हुआ है। इनमें विजय अग्रवाल,मोहन लाल,अवतार सिंह जुनेजा और प्रशांत राय निर्वाचित घोषित किए गए हैं।

बम्लेश्वरी मंदिर में लगेगा 150 किलो चांदी का भव्य दरवाजा

» निर्माण में नासिक के कारीगर जुटे दिन-रात...

रायपुर,29 सितम्बर 2024(ए)। मां बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट इस नवरात्रि पर मंदिर की खूबसूरती को और बढ़ाने के लिए विशेष तैयारी कर रहा है। इस विशेष पहल के तहत, पहाड़ी पर स्थित मां बम्लेश्वरी मंदिर में 150 किलो चांदी का एक भव्य दरवाजा लगाया जाएगा। इसके निर्माण में नासिक (महाराष्ट्र) के कारीगर दिन-रात जुटे हुए हैं, और इस दरवाजे की लागत लगभग डेढ़ करोड़ रुपए आंकी गई है। हालांकि, दरवाजे की डिजाइन को अभी तक गोपनीय रखा गया है, लेकिन ट्रस्ट का कहना है कि यह दरवाजा बेहद आकर्षक होगा। मां बम्लेश्वरी मंदिर की प्रतिष्ठा और यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए, इस दरवाजे का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस विश्व प्रसिद्ध मंदिर में नवरात्रि के दौरान विशाल मेला लगता है, जिसमें देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु माता का आशीर्वाद लेने के लिए आते हैं। इस दौरान मंदिर की सजावट भी विशेष होती है, जो श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर देती है। ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने बताया कि दरवाजे के लिए चांदी की चादर लगभग 22 गेज मोटी होगी, जिसे रायपुर में तैयार किया गया है। इस चांदी के गेट को लकड़ी पर नई डिजाइन के साथ स्थापित किया जाएगा, जो मंदिर की भव्यता को और बढ़ाएगा। इस नवरात्रि में मां बम्लेश्वरी मंदिर का यह नया दरवाजा श्रद्धालुओं के लिए एक नई आस्था का प्रतीक बनेगा।

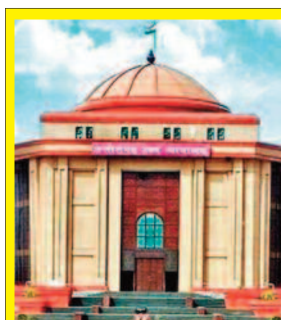

तहसीलदार के तबादले पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

बिलासपुर/रायपुर,29 सितम्बर 2024(ए)। छह माह से गर्भवती तहसीलदार के तबादले पर हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए उनके स्थानांतरण पर रोक लगाई और उन्हें रायपुर में ही कार्यरत रखने का निर्देश दिया। एवरग्रीन सिटी कॉलोनी, उम्दा रोड, भिलाई की प्रेरणा सिंह वर्तमान में रायपुर जिले में राजस्व विभाग में तहसीलदार के पद पर कार्यरत हैं। जबकि, उनके पति रायपुर में सहायक इंजीनियर के पद पर पदस्थ हैं। याचिका में कहा गया है कि गर्भावस्था की स्थिति में रायपुर से महासमुंद जाकर सेवाएं देना उनके और गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है।

पोर्टल चलाने वाले गोविंदा चौहान और रविकांत मिश्रा के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

दुर्ग,29 सितम्बर 2024(ए)। दुर्ग के सुपेला थाना पुलिस ने भिलाई के दो पोर्टल चलाने वाले गोविंदा चौहान और रविकांत मिश्रा के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। इनके द्वारा दूसरे के बैंक एकाउंट खोलाकर छल और धोखाधड़ी की दोनों अपने अलग-अलग बैंक एकाउंट में 80 और 85 लाख यानी 1 करोड़ 65 लाख रुपए का ट्रांजेक्शन किया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ धोखधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। भिलाई नगर सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि गदा चौक इंदिरा नगर निवासी धीरज महतो (22 वर्ष) ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसका दोस्त रावणभाठा निवासी मुकेश तांडी (22 साल) दोनों दोस्त है। दोनों ने शिकायत की है कि वह जुनवानी स्थित श्रीशंकराचार्य अस्पताल के पास चाय गुमटी चलाता है। दोनों गोविंदा चौहान को पहले से जान पहचान है वर्ष 2023 में गोविंदा चौहान ने दोनों से कहा कि भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का लाभ दिलाउंगा। इसके लिए दोनों को बैंक एकाउंट खोलाना पड़ेगा। दोनों उसके झांसे में आकर आईडीएफसी बैंक में खाता खोलवा लिए। इस बीच गोविंदा चौहान और रविकांत मिश्रा ने कहा कि दोनों का बैंक खाता और एटीएम ले जाना पड़ेगा। क्योंकि बैंक खाता को सिस्टम में अपडेट करना होगा। धीरज और मुकेश दोनों का बैंक एकाउंट और एटीएम लेकर चले गए धीरज और मुकेश ने अपने बैंक खाता में मोबाइल नम्बर को अपडेट करा दिया। कुछ दिन बीत गए लेकिन गोविंदा और रविकांत ने बैंक खाता और एटीएम नहीं लौटाया। और मांगने पर टालमटोल करने लगे। तब दोनों को शक हुआ और दोनों बैंक जाकर एकाउंट के बारे में बैंक प्रबंधन से जानकारी ली। तभी उनको पता चला कि उनके खाते से बड़ी रकम का अवैध तरीके से ट्रांजेक्शन हुआ और मुंबई ब्रांच ने बैंक एकाउंट को होल्ड कर दिया है यह सुनकर दोनों को होश उड़ गए। इसके बाद धीरज और मुकेश के खाते में हुए ट्रांजेक्शन से बता चला कि दोनों के खाते से 1 करोड़ 65 लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए है गोविंदा के खाता में 80 लाख और रविकांत मिश्रा के खाता में 85 लाख रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ दोनों के खातों की डिटेल मंगाया गया है।

जल जगार महोत्सव 5 एवं 6 अक्टूबर को

» कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी ने लिया तैयारियों का जायजा

» बैठक लेकर अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

धमतरी,29 सितम्बर 2024(ए)। आगामी 5 एवं 6 अक्टूबर को रविशंकर जलाशय गंगरेल बांध में जल जगार महोत्सव आयोजित होगा। इसके मद्देनजर कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी ने आज दो दिवसीय राष्ट्व्यापी जल जगार महोत्सव की तैयारियों का जायजा लिया। इसके साथ ही बैठक गंगरेल रेस्ट हाउस में कार्यक्रम के नोडल अधिकारियों की बैठक ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर सी ई ओ ज़िला पंचायत सुश्री रोमा श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक श्री आंजनेय वार्ष्णेय, अपर कलेक्टर श्री जी आर मरकाम सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के लिए चार स्थानों में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। कलेक्टर ने सुविधाएं, ले आउट, अधिकारी, कर्मचारियों की शिफ्ट वाइस ड्यूटी की जानकारी ली। उन्होंने प्रवेश एवं निर्गम द्वार अलग-अलग बनाने, कंट्रोल रूम प्रभारी, अलग-अलग वाहनों के स्थान निर्धारित करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री गांधी ने रूट चार्ट, रूट मैप, पेयजल, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, बिजली, शौचालय व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने अधिकारी कर्मचारियों के लिए अलग- अलग फोटोयुक्त पास बनाने के निर्देश दिए। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए डस्टबिन की व्यवस्था निर्धारित स्थलों में रखने कहा। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति को ध्यान में रख मेहमानों का स्वागत किया जाएगा। चार जगह एलईडी का डिस्प्ले बोर्ड लगाया जाएगा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम शाम 3 बजे से प्रारंभ होगी।

आईईडी ब्लास्ट में सीआरपीएफ के 5 जवान घायल

बीजापुर,29 सितम्बर 2024 (ए)। नक्सलियों एक बार फिर बस्तर में उत्पात मचाने की कोशिश की है। बीजापुर जिले में तर्रेम थाना इलाके में नक्सलियों के द्वारा लगाए गए आईईडी ब्लास्ट से 5 जवान घायल हो गए। पुलिस के अनुसार जवान चिन्नागेलुर सीआरपीएफ कैंप से डिमाइनिंग ड्यूटी पर निकले थे। डिमाइनिंग के दौरान आईईडी डिफ्यूज करते वक्त उसमें ब्लास्ट होने से 5 जवानों को सामान्य चोंट आई है।घायल जवानों को मेडिकल कैंप में प्राथमिक उपचार के बाद इलाज के लिए बीजापुर जिला मुख्यालय लाया जा रहा है। एसपी बीजापुर इस घटना की पुष्टि की है। घटना रविवार सुबह 7 बजे की आसपास की बताई जा रही है। घायलों में एक असिस्टेंट कमांडेंट, एक इंस्पेक्टर सहित 3 कांस्टेबल शामिल हैं। यह सभी 153 वीं बटालियन के हैं। जानकारी के मुताबिक यह सभी सुबह सर्चिंग ऑपरेशन पर निकले थे।इसी दौरान आईईडी की डिमाइनिंग करने के दौरान यह हादसा हो गया। आईडी ब्लास्ट होने पर पांच जवानों को चोट आई है। यह सभी फिलहाल खतरे से बाहर हैं। तर्रेम में प्राथमिक उपचार के बाद इन्हें बीजापुर रेफर किया गया है। बीजापुर जिले में पिछले सात महीनों से लगातार आईईडी धमाके की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिसमें जवानों को नुकसान उठाना पड़ा है। इसके बाद सर्चिंग बढ़ा दी गई है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की हत्या,हत्यारा पति गिरफ्तार

गरियाबंद,29 सितम्बर 2024(ए)। छुरा थाना क्षेत्र में एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की संदिग्ध लाश मिली थी। इस मामले में पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझा ली है। मृतका खेम बाई का हत्यारा कोई और नहीं बल्कि उसका पति गोविंद ध्रुव ही था। दरअसल, पति की इच्छा दोबारा शारीरिक संबंध बनाने की थी। लेकिन पत्नी तैयार नहीं थी और इस बीच विवाद के हाथापाई में पति ने पत्नी का गला दबा दिया। 27 सितंबर की दरम्यानी रात पति पत्नी के बीच शारीरिक संबंध बनाने को लेकर विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि पति दोबारा संबंध बनाना चाहता था, लेकिन पत्नी इस पर सहमत नहीं थी। इसी को लेकर विवाद हुआ तो पति ने आवेश में आकर पत्नी का गला दबा दिया। 28 की सुबह पति अपनी करतूत को छिपाने के लिए अंतिम संस्कार के लिए जल्द बाजी कर रहा था। लेकिन महिला के मायके वालों की सूचना पर पुलिस ने जांच किया। तब जाकर हत्या का खुलासा हुआ।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)